के_डी_न्यूज

सुलतानपुर से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

UPHIN 47497

वर्ष–01 अंक 03 सुलतानपुर गुरूवार 07 नवम्बर 2024 मूल्य : दो रूपया पृष्ठ : 4

आतंकियों का होगा जड़ से सफाया! आतंकवाद विरोधी सम्मेलन को संबोधित करेंगे अमित शाह

एजेंसी।

नई दिल्ली सम्मेलन का मुख्य फोकस संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण की भावना में आतंकवाद के खतरे के खिलाफ समन्वित कार्रवाई के लिए चौनल स्थापित करके विभिन्न हितधारकों के बीच तालमेल विकसित करना और भविष्य की नीति निर्माण के लिए ठोस इनपुट प्रस्तुत करना है। केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह गुरुवार को में आतंकवाद विरोधी सम्मेलन–2024श के उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे। दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए), गृह मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाकर इसे जड़ से खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। पिछले कुछ वर्षों में वार्षिक सम्मेलन परिचालन बलों के लिए एक बैठक बिंदु के रूप में उभरा हैय राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करने वाले मुद्दों और आतंकवाद से उत्पन्न होने वाले

खतरों पर विचार–विमर्श के लिए आतंकवाद से निपटने में लगे तकनीकी, कानूनी और फोरेंसिक विशेषज्ञ और एजेंसियां। सम्मेलन का मुख्य फोकस श्संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण की भावना में आतंकवाद के खतरे के खिलाफ समन्वित कार्रवाई के लिए चौनल स्थापित करके विभिन्न हितधारकों के बीच तालमेल विकसित करना और भविष्य की नीति निर्माण के लिए ठोस इनपुट प्रस्तुत करना है। दो दिवसीय सम्मेलन में विचार–विमर्श और विचार–विमर्श आतंकवाद विरोध ी जांच में अभियोजन और कानूनी ढांचे को विकसित करने, अनुभवों और अच्छी प्रथाओं को साझा करने, उभरती प्रौद्योगिकियों से संबंधित चुनौतियों और अवसरों, अंतरराष्ट्रीय कानूनी सहयोग और रणनीतियों सहित महत्व के विभिन्न मामलों पर केंद्रित होगा। भारत भर में विभिन्न आतंकवाद विरोधी थिएटरों में आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट करने के लिए।सम्मेलन में राज्योंध्केंद्रशासित प्रदेशों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, आतंकवाद से निपटने से संबंधित मुद्दों से निपटने वाली केंद्रीय एजेंसियोंधविभागों के अधिकारी और कानून, फोरेंसिक, प्रौद्योगिकी आदि जैसे संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। पिछले साल, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य पुलिस बलों और आतंकवाद विरोधी एजेंसियों से ऐसा ष्क्रूरष् दृष्टिकोण अपनाने को कहा था ताकि कोई नया आतंकवादी समूह न बन सके।

तरकुलहा धाम व्यापार मंडल एवं ट्रस्ट ने बैठक कर सरकार को दिया धन्यवाद

चौरी चौरा गोरखपुर। मां तरकुलहा देवी धाम चौरिटेबल ट्रस्ट और माँ तरकुलहा देवी व्यापार मंडल वेलफेयर सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को मंदिर परिसर में स्थित नवनिर्मित धर्मशाला में उपजिलाधिकारी चौरी चौरा द्वारा 60.49 एकड़ भूमि जंगल एवं बंजर के खाते मे दर्ज कराने के लिए प्रदेश सरकार व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराज को ध न्यवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें व्यापार मंडल के नवनियुक्त अध्यक्ष कृष्णचंद्र वर्मा का फूल माला से स्वागत किया गया तथा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा महानगर के उपाध्यक्ष बृजेश मणि मिश्रा ने संबोधित करते हुए कहा भाजपा सरकार व्यापारियों के हित के लिए कार्य करती है। देवी तरकुलहा मंदिर परिसर के जंगल भूमि को जंगल के नाम दर्ज कर प्रशासन द्वारा ऐतिहासिक कार्य किया गया। जिसमें 60 एकड़ 49 डिसमिल जमीन से नाम खारिज करके जंगल एवं बंजर के खाते में दर्ज कराया गया। अब मंदिर का विकास होगा तथा व्यापारियों की दुकान भी सुव्यवस्थित हो जाएगी। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराज को धन्यवाद ज्ञापित किया। व्यापारियों को संबोधित करते हुए किसान मोर्चा के महानगर महामंत्री समरेंदु सिंह ने कहा कि योगी आदित्यनाथ महाराज द्वारा व्यापारियों के हित की लड़ाई हमेशा से लड़ी जाती रही है तथा उन्होंने देवी तरकुलहा मंदिर के लिए ऐतिहासिक कार्य किया। बैठक की अध्यक्षता ट्रस्ट के अध्यक्ष राजनारायण सिंह ने किया तथा संचालन ट्रस्ट के महामंत्री राजेश जायसवाल ने किया। बैठक में मुख्य रूप से ट्रस्ट व व्यापार मण्डल के संरक्षक रमेश राय, मुन्नीलाल चौहान, हिमांचल साहनी, हरीश राजभर, डॉ दिनेश यदुवंशी, विकास पांडेय, बच्चा मिश्रा, अमरनाथ जायसवाल, ऋषि साहनी, सुग्रीव निषाद संतोष बबलू पासवान सचिन पासवान आदि सैकड़ो की संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

तरकुलहा मंदिर के छठ घाटों की कराई गई सफाई

चौरी चौरा गोरखपुर। चौरी चौरा के प्रसिद्ध शक्तिपीठ देवी तरकुलहा मंदिर परिसर में छठ घाटों की सफाई मंगलवार को कराई गई। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मेला मालिक अविजित जायसवाल लवी द्वारा छठ घाटों की साफ सफाई कराया गया। उन्होंने बताया कि यहां पर काफी संख्या में महिलाएं छठ पूजा करने पहुंचती हैं। महिलाओं के लिए यह व्रत काफी कठिन और पवित्र होता है ऐसे में उनके व्रत में

कोई समस्या न हो इसको विशेष ध्यान रखा जा रहा है। रास्ते की लाइटिंग और बैरिकेटिंग को दुरुस्त कराया जा रहा है। प्रशासन का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है और सुरक्षा व्यवस्था को भी दुरुस्त करने के लिए लगातार अधि ाकारी निरीक्षण कर रहे हैं।

नहर की सफाई करवाकर बनाया गया वैकल्पिक छठ घाट

चौरी चौरा गोरखपुर। चौरीचौरा क्षेत्र के डुमरी खघस में लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा पर तैयारी तेज हो गई है। घाटों पर भारी भीड़ को देखते हुए ग्राम प्रधान अच्छेलाल साहू ने गांव के शिव मंदिर पोखरा एवं पुरनहा काली मंदिर के समक्ष अमृत सरोवर पोखरे की साफ सफाई कराकर मंदिर प्रांगण में बने वेदियों की रंगाई – पुताई कराने के बाद जमुनहिया टोला एवं वसंत टोला पर नहरों की भी सफाई करवाया। बाद में पंपिंग सेट से पानी भर वैकल्पिक घाट बनवाया। साथ ही अच्छेलाल साहू ने बताया कि गांव के सभी घाटों पर जनरेटर लाइट एवं अन्य समुचित व्यवस्था कराई जायेगी। जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। ग्राम प्रधान के इस पहल से खुश होकर बृजनंदन, रंजीत, पारस नाथ चौधरी, नागेंद्र, महंथ पासवान, शंकर, भोला निषाद, जगरनाथ, गुड्डू शत्राजीत, राम मिलन आदि ग्रामवासियों ने खूब सराहना किया।

छठ पूजा के लिए बाजारों में उमड़ी भीड़, दुकानदारों ने जताई खुशी

पीपीगंज गोरखपुर। । दीपावली के बाद आने वाला छठ पूजा पर्व अब हर घर में धूमधाम से मनाने की तैयारी जोरों पर है। इस अवसर पर पीपीगंज मुख्य बाजार में छठव्रतियों की भारी भीड़ देखने को मिली। जहां एक ओर छठ पूजा की विशेष सामग्री की खरीदारी की जा रही थी, वहीं दुकानदारों ने इस बार अधिक बिक्री की उम्मीद जताई है। छठ पूजा का पर्व हिंदू धर्म में अत्यधिक महत्वपूर्ण माना जाता है, खासकर उत्तर भारत के बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, और नेपाल में इस पर्व का विशेष महत्व है। विशेष रूप से महिलाएं इस पर्व को श्रद्धा और भक्ति के साथ करती हैं, और यह पर्व 4 दिनों तक चलता है। इस साल पीपीगंज के मुख्य बाजार में छठ पूजा की सामग्री की बिक्री पिछले साल की तुलना में ज्यादा हो रही है। छठ पूजा की तैयारी के लिए छठव्रती परिवारों को विभिन्न प्रकार की सामग्री जैसे ताजे फल, पूजा की थाली, दीपक, अगरबत्तियां, कलश, और विशेष प्रकार के पकवानों की आवश्यकता होती है। छठ पूजा की सबसे प्रमुख सामग्री में श्सहजश (सूरज के लिए पूजा की सामग्री), श्सूपश्, और श्फलश जैसे केले, सेब, नारियल, संतरे, पपीते, और गन्ने शामिल होते हैं। पीपीगंज में इस बार छठ पूजा की सामग्री के लिए पिछले वर्ष की तुलना में अधिक दुकाने लगाई गई हैं, जिससे श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो और वे अपनी सारी खरीदारी एक ही जगह कर सकें।

एक हैं तो सेफ हैं... बंटोगे तो कटोगे के बाद सीएम योगी का नया नारा, महाराष्ट्रा में एमवीए को बताया महाअनाड़ी गठबंधन

संवाददाता।

लखनऊ योगी ने साफ तौर पर कहा कि सत्ताएं तो आएंगी–जाएंगी। लेकिन हमारा भारत रहना चाहिए और भारत दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि बंटिए मत! क्योंकि जब भी बंटे थे तो कटे थे। एक हैं तो नेक हैं, एक हैं तो सेफ हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज महाराष्ट्र में चुनावी प्रचार के लिए पहुंचे थे। इस दौरान वाशिम विधान सभा क्षेत्र में उन्होंने भाजपा के लिए प्रचार किया। योगी ने विपक्ष पर जमकर वार किया। योगी ने कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा की विजय गाथा लिखने जा रहा है। विपक्ष पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि ये महाअघाड़ी नहीं, महाअनाड़ी गठबंधन है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि क्या कांग्रेस ने कभी ईमानदारी से भारत और भारतीयता के बारे में सोचा? योगी ने साफ तौर पर कहा कि सत्ताएं तो

आएंगी–जाएंगी। लेकिन हमारा भारत रहना चाहिए और भारत दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि बंटिए मत! क्योंकि जब भी बंटे थे तो कटे थे। एक हैं तो नेक हैं, एक हैं तो सेफ हैं। वहीं, अमरावती में योगी ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने उस कालखंड में जब औरंगजेब जैसा बर्बर आक्रांता भारत में शासन कर रहा था, तब उन्होंने उसकी सत्ता को चुनौती दी थी। उन्होंने आगे कहा कि मुझे याद है कि जब 2017 में मुझे उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया गया तब मैं आगरा गया था। आगरा में जब मैं निरीक्षण कर रहा था तो मुझे बताया गया कि वहां एक मुगल संग्राहलय बन रहा है। मैंने कहा कि मुगल का भारत और आगरा से क्या संबंध है? हमने कहा भारत का संबंध छत्रपति शिवाजी महाराज से है। इस म्यूजियम का नाम बदलो। यह संग्राहलय मराठा और छत्रपति शिवाजी महाराज का प्रतीक बनना चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि सब मिलकर चलें और देश को आगे बढ़ाने का संकल्प लें। ध्यान रखें बात सबकी सुननी है, लेकिन बंटना नहीं है।

छठ पर्व पर सूर्य देव का अर्घ्य 7 को शाम 5 बजकर 29 मिनट पर व 8 नवम्बर को प्रातरू 6 बजकर 32 मिनट पर होगा

गोरखपुर श्री हनुमत ज्योतिष सेवा संघ के संस्थापक अध्यक्ष ज्योतिषाचार्य पण्डित बृजेश पाण्डेय के अनुसार आज दिनांक 6 नवम्बर दिन बुधवार को खरना मनाया जायेगा. छठ महापर्व के उत्सव मे कल दिनांक 7 नवम्बर दिन वृहस्पतिवार को व्रती महिलायें निर्जला उपवास रहेंगी. इसी दिन व्रती महिलाएं अस्तचलगामी डूबते हुए सूर्यदेव को शाम 5 बजकर 29 मिनट पर सूर्यास्त के समय अर्घ्य देंगी।अर्घ्य देने के पश्चात टोकरी से भरे प्रसाद सामग्री को घर लाया जाता है.अगले दिन 8 नवम्बर दिन शुक्रवार को सूर्योदय के समय प्रातरू 6 बजकर 32 मिनट पर अर्घ्य देकर माता षष्ठी देवी कि विदाई दी जायेगी। छठी माता को सूर्यदेव की बहन बताया जाता हैं। छठी मईया को संतान की सुरक्षा करने वाली देवी के रुप में भी पूजा जाता रहा है। संतान सुख प्राप्ति के लिए भक्त छठी माईया का पूजन करते हैं.निःसंतान दंपत्ति को जब छठी माता का आशीर्वाद मिलता है तो उनका आंगन भी संतान के सुख से भर जाता है। ज्योतिषाचार्य पं. बृजेश पाण्डेय ने बताया कि छठ पूजा ज्योतिषीय मान्यताओं के आधार में भी बहुत मजबूती से जुड़ी हुई है,विशेष रूप से सूर्य की शक्ति से इनका संबंध स्पष्ट रुप से देखने को मिलता है। वैदिक ज्योतिष में सूर्य आत्मा का प्रतिनिधित्व करता है, सूर्य को मान सम्मान, स्वास्थ्य सुख, जीवन शक्ति और समृद्धि प्रदान करने वाला ग्रह माना गया है। मान्यता यह भी है कि सूर्य की पूजा करने से व्यक्ति शारीरिक व मानसिक शांति तथा जीवन में सफलता प्राप्त करता है। छठ पूजा के समय सूर्य के साथ अपने संबंध को मजबूत करने का अवसर मिलता है,जिससे व्यक्ति का जीवन प्रभावित होता है और जीवन ग्रहों की ऊर्जाओं से संबंध स्थापित करते हुए शुभता को प्राप्त करता है।

चेयरमैन प्रभाकर दुबे ने घाटों का किया निरीक्षण

घघसरा गोरखपुर नगर पंचायत घघसरा में लोक आस्था के महापर्व छठ के तैयारी को लेकर चेयरमैन प्रभाकर दुबे एवं प्रशासनिक अधिकारी अमित नायक के साथ नगर पंचायत घघसरा के सभी वार्डो के पोखरे व घाटों का सुविधा और सुरक्षा का निरीक्षण करते हुए बिजली व्यवस्था को भी जांचा परखा। उन्होंने नगर के तुलसीदास नगर, हनुमंत नगर, शहीद जेठू नगर, अटल नगर, डुमरी, परशुराम नगर, दीनदयाल नगर, अमर सिंह नगर, विंध्यवासिनी नगर, बिजौवा, अंबेडकर नगर सहित सभी वार्डो में कर्मचारियों को पर्व के सभी पुख्ता इंतजाम जल्द कर लेने का निर्देश दिया। और सभी वार्डो में देख रेख के लिए कर्मचारियों की टीम गठित किया। जिसको अपने अपने वार्डो में व्यवस्था को सुचारू रूप से कर सके । चेयरमैन ने कर्मचारियों को निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने पाए कर्मचारीगण दिए गए दायित्वों का पूरा पालन करें। जिस दौरान कुंवर सिंह, अखिलेश गुप्त, हरिकेश मौर्य, राकेश सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

आरएमओ ने क्रय केंद्रों का किए निरीक्षण दिए दिशा निर्देश

सहजनवां गोरखपुर सरकार ने किसानों के धान खरीद के लिए जगह जगह क्रय केंद्र खोल रखा है। और जिम्मेदारों को निर्देश दिए है। कि समय समय क्रय केंद्रों का निरीक्षण कर जो भी कमियां दिखाई दे उसे समय रहते ठीक करा ले। बुधवार को आरएमओ केशरी कांत सिंह ने क्रय केंद्र पाली प्रथम का निरीक्षण किए। यहां दो किसान जय प्रकाश पांडेय 20 कुंतल, डा सिंध ु मिश्र 83 कुंतल धान बेचने के लिए आए थे। उन्होंने किसानों से केंद्र पर हो रही समस्या के बारे में जानकारी ली तो किसानों ने बताया कि धान खरीद में कोई समस्या नहीं है। इस दौरा आरएमओ ने क्रय केंद्र पर मौजूद किसानों को फूलमाला पहना कर स्वागत किया। इसके अलावा आरएमओ ने सहजनवां स्थित क्रय केंद्र प्रथम और द्वितीय का भी निरीक्षण किए यहां 6 किसानों से 150 कुंतल धान की खरीद की गई थी। उन्होंने ने जिम्मेदारों को निर्देश दिए कि जिन किसानों का सत्यापन हो चुका है। उनकी खरीद तत्काल की जाए। अंगूठा लगा कर उनके खाते में समय से धन मुहैया कराया जाय। इस दौरान डिप्टी आरएमओ अरविंदर दुबे, विपणन निरीक्षक पवन पाल सिंह, विपणन निरीक्षक निधि यादव सहित अनेक किसान मौजूद थे।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने छठ घाटों का किया निरीक्षण

गोरखपुर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एसडीएम सदर नगर पंचायत पिपराइच, रिठिया, ताजपिपरा, तुरा नाला, जंगल अहमद अलीशाह के छठ्ठ घाटों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दी। बुधवार को ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एसडीएम सदर मृणाली अविनाश जोशी छठ पूजा के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाओं का जायजा नगर पंचायत पिपराइच, रिठिया, ताजपिपरा, तुरा नाला जंगल अहमद अलीशाह का निरीक्षण किया घाटों पर साफ–सफाई, की व्यवस्था, घाटों की बैरिकेडिंग को देखा उन्होंने कहा कि छठ पूजा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु घाटों पर एकत्र होते हैं ऐसे में स्वच्छता और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है।

सुरक्षा की दृष्टि से घाटों पर प्रकाश व्यवस्था बनाए रखने का निर्देश दिया । उन्होंने कहा, कि छठ पर्व पर कई श्रद्धालु पूरी रात घाटों पर रुकते हैं ऐसे में रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था अनिवार्य है। जिन स्थानों पर जरूरत पड़ती है वहां जनरेटर की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए ताकि रात में पर्याप्त प्रकाश बना रहे। उन्होंने घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षित आवाजाही के लिए बैरिकेडिंग की जांच की और श्रद्धालुओं से प्रशासन द्वारा निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करने को कहा। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए कर्मचारीगण दिए गए दायित्वों का पूरा पालन करेंगे

धान खरीद की हुई शुरुआत।

सुलतानपुर –मंडी सचिव के साथ अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व एस सुधाकरन और डिप्टी आर एम ओ पंकज पांडे ने धान खरीद को लेकर क्रय केंद्र पर फीता काटकर हरी झंडी दिखाई ।

जिलाधिकारी कृत्तिका ज्योत्स्ना के दिशा निर्देशन में ध ान खरीद के लक्ष्य को पूरा करने का निर्देश जारी हुआ है।

ब्लाक स्तरीय बालक्रीड़ा प्रतियोगिता हुई संपन्न।

सुल्तानपुर। कुड़वार ब्लॉक में ब्लॉक स्तरीय बालक्रीड़ा प्रतियोगिता संपन्न हुई। जिला बेसिक शिक्षा अधि ाकारी उपेंद्र गुप्ता के समक्ष परिषदीय स्कूलों के छात्रों द्वारा योगासन और एकांकी कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। बच्चों ने योगासन सीखे और जीवन में उतारने का संदेश दिया आम नागरिकों को।

पांचवे दिन कृष्ण जन्म के मर्म को सुनकर श्रद्धालु हुए भावविभोर।

कूरेभार ध्सुलतानपुर – शुक्लहिया गांव में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में आज बुधवार को पांचवे दिन कृष्ण जन्म के मर्म को लेकर कथा वाचक आचार्य ब्रमदत्त शुक्ल द्वारा श्रद्धालुओं को कृष्ण के लीला रूपी महत्व का रसपान कराया,जिसको सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो गए । मौके पर मनीष शुक्ल, विष्णु देव मिश्रा, आशिष मिश्रा, अभिषेक मिश्रा, लालता प्रसाद पांडे, केशव पांडे, पप्पू पांडे, रुचि तिवारी समेत तमाम श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

जालसाजी में नगर पंचायत अध्यक्ष गिरफ्तार

जौनपुर(आरएनएस)। मछलीषहर नगर पंचायत अध्यक्ष संजय जायसवाल को देर रात हाईकोर्ट से लौटते ही पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उनके खिलाफ कोतवाली पुलिस ने 11 सितंबर को कूट रचित कागजात तैयार कर धोखाधड़ी से ट्रेलर बेचने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया था। कस्बे के शादी गंज निवासी नगर पंचायत अध्यक्ष के छोटे भाई अनुराग जायसवाल ने गत जुलाई में संयुक्त गृह सचिव (पुलिस) को प्रार्थना पत्र लिखा था कि उन्होंने अपने बड़े भाई नगर पंचायत अध्यक्ष संजय जायसवाल द्वारा संचालित एसके पीके रोडलाइंस ट्रांसपोर्ट कंपनी में अपने 13 ट्रेलर लगवाए थे। आरोप है कि उन्होंने छलपूर्वक अनधिकृत रूप से लाभ लेने के लिए सभी वाहन अपने कब्जे में ले लिया। उसके बाद बिना अनुमति और बैंक की एनोसी जारी किए फर्जी कागजात तैयार कर उसे बेच दिया। संयुक्त गृह सचिव (पुलिस) ने मामले की जांच क्षेत्राधिकारी को दी थी। कोतवाली पुलिस 11 सितंबर को मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल में जुट गई थी। मुकदमा दर्ज होने के बाद चेयरमैन ने गिरफ्तारी से बचने के लिए हाईकोर्ट से स्थगन आदेश ले लिया था। स्थगन आदेश की अवधि मंगलवार को समाप्त होने पर आगे बढ़ाने के लिए चेयरमैन हाईकोर्ट गए थे, लेकिन किसी कारणवश स्थगन आदेश नहीं मिला। इसके बाद वहां से मछलीशहर लौटते समय कुंवरपुर टोल प्लाजा के पास से पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

सम्पादकीय...

तेल की धार जारी है मार

अभी–अभी कमर्शियल गैस कनेक्शन की कीमतों में 62 रुपए प्रति सिलेंडर की वृद्धि कर दी गई है । सरकार इस बात की बार–बार दुहाई दे रही है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें तघे स्थिर हैं।

2014 में जब सरकार ने तेल की कीमतों में निरंतर वृद्धि की थी और पेट्रोल 59 रुपये प्रति लीटर से उछलते उछलते 108 रुपये तक पहुंचा था, तब बार–बार सरकार यह बताती थी कि तेल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर है। जैसे–जैसे दुनिया में कच्चे तेल की कीमत बढ़ती हैं वैसे–वैसे पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाना सरकार की मजबूरी है। यह नीति मनमोहन सिंह की यूपीए सरकार ने तब बनाई थी जब कच्चा तेल 120डालर प्रति बैरेल पर घूम रहा था और कीमतों के दबाव से बचने के लिए उन्होंने आइल पूल डिफिसिट फंड बनाया था वह बाजार के उतार–चढ़ाव को एब्जार्व करता था। इसीलिये कच्चा तेल 124 डालर होने के बावजूद पेट्रोल 58–59 रुपये लीटर मिल रहा था।

अभी–अभी मोदी सरकार के मंत्री हरदीप सिंह पुरी कई तथ्यों के साथ सामने आए हैं । उन्होंने खुलासा किया है कि देश ने जैव ईंधन यानि एथेनाल के मिश्रण से लगभग एक लाख 6 हजार करोड़ की विदेशी मुद्रा बचाई है।विचारणीय है कि

मनमोहन सिंह की यूपीए सरकार ने जब एथनाल नीति बनाई थी तो उसका आशय यही था कि आयात निर्भरता घटाकर आम उपभोक्ता को लाभ पहुंचाया जाये ।वर्ष 2014 तक मिश्रित ईंधन की कैलोरिक गुणवत्ता प्रायोगिक और शुरुआती दौर में थी,अतरू एथेनाल का प्रयोग पेट्रोल की कुल खपत का 1.53 फीसदी तक ही था।यह खपत अब 2023–24 में कुल खपत के 15 फीसदी तक पहुंच गई है ।लेकिन इस बचत का लाभ न तो उपभोक्ता को ही मिल रहा है न ही आयात निर्भरता में कमी ही आई है।2014 में हमारी सकल घरेलू खपत के मुकाबले आयात निर्भरता लगभग 70 फीसदी थी जो अब बढ़कर बकौल मंत्री हरदीप सिंह के 88 फीसदी पर पहुंच चुकी है।इसे नौ दिन चले अढ़ाई कोस ही कहा जा सकता है।क्योंकि अगर नीतियां सात–आठ साल में भी परिणाम न दें तो उनकी समीक्षा लाजिम हो जाती है।

इनवेस्टमेंट इनफार्मेशन एंड क्रेडिट कंपनी (ईक्रा) की रिपोर्ट बताती है कि कच्चे तेल की कीमतें 12 फीसदी कम हुईं हदै। रूस ने हमें बाजार से सस्ता क्रूड आइल देकर विगत तीन साल से निहाल किया है ।

इसका लाभ न तो उपभोक्ता को मिला न ही अर्थव्यवस्था को।विभिन्न तकनीकि अनुमान बताते हैं कि अगर एक डालर प्रति बैरैल कच्चे तेल की कीमत घटती है तो कंपनियों को 13 हजार करोड़ की बचत होती है।कच्चा तेल 84 डालर प्रति बैरेल से घटकर 72 डालर पर आ गया है यानि 12 डालर प्रति बैरेल कीमतें गिर गईं हैं।।

न शर्म न हया संविधान की रोज हत्या. ?

भारतीय आजादी के इस हीरक वर्ष में कभी शविश्वगुरूय का दर्जा प्राप्त हमारा देश अब किसी का शशिष्यय बनने के काबिल भी नही रहा है, यद्यपि हमारे भाग्यविधाता सत्तारूढ़ नेता विश्वभर में जाकर अपनी खुद की प्रशंसा करते नहीं थकते, किंतु वास्तव में हमारी स्थिति उस मयूर जैसी है जो प्रगति के बादल देखकर अनवरत् नाचता है और उपलब्धि के अभाव में बाद में आंसू बहाता है।

आजादी के बाद से हमारे देश में भी राजनीति के अलग–अलग दौर रहे है, जवाहरलाल के जमाने की राजनीति प्रगति की कल्पना पर आध ाारित थी तो इंदिरा जी के जमाने से सत्ता के लिए सब कुछ करने की राजनीति का दौर शुरू हो गया और उन्होंने अपनी कुर्सी की रक्षा के लिए आपातकाल जैसा कदम उठाया, किंतु आज की राजनीति उसे भी आगे निकल गई है और आज कुर्सी के खातिर संविधान को भी बख्शा नही जा रहा है और वह सब किया जा रहा है, जिससे कुर्सी बची रहे।

ज.लेकिन सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है कि आजादी के बाद से अब तक सब कुछ बदला किंतु राजनैताओं की सोच और मतदाता की समझ में कोई बदलाव नही आया, आज के राजनेता आजादी के पचहत्तर साल बाद भी चुनाव की उसी लीक पर चल रहे है जो प्रथम चुनाव के समय 1951 में देखी गई थी, आज भी राजनीति वादों और आश्वासनों पर टिकी है और आज के आम मतदाता को राजनेता उसी 1951 वाली नजर से ही देखते है और वैसा ही सलूक करते है, कभी प्रगति और विकास के नाम पर मांगे जाने वाले वोट आज धार्मिक नारों के आधार मांगें जा रहे है, सत्तापक्ष भाजपा यदि आज शबंटेगें तो कटेगेंय का नारा लगा रहा है

झारखंड पहुँचा "बंटोगे तो कटोगे" का नारा– कितना होगा असर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नये नारे की लोकप्रियता इसी बात से समझी जा सकती है कि झारखंड से लेकर महाराष्ट्र तक उनके नारे के साथ पोस्टर लगाये जा रहे हैं। झारखंड में 10 बुलडोजरों के साथ उनका भव्य स्वागत किया गया।बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों की घुसपैठ से त्रस्त झारखंड राज्य के लिए वर्ष 2024 का विधानसभा चुनाव बहुत ही महत्वपूर्ण है। समृद्ध खनिज भंडार वाले इस राज्य की जनसांख्यकी (डेमोग्राफी) में विगत वर्षों में बड़ा असुंतलन व्याप्त हो गया है और पहली बार भारतीय जनता पार्टी ने इस विषय को ही अपना चुनावी विषय बनाया है। साथ ही परिवारवाद व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के भ्रष्टाचार के काले कारनामे भी हवा में तैर रहे हैं। हरियाणा विधानसभा चुनाव परिणाम आने के पूर्व राज्य में एक अलग तरह का वातावरण था क्योंकि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही हरियाणा के चुनाव परिणामों की प्रतीक्षा कर रहे थे। हरियाणा का चुनाव परिणाम आ जाने के बाद देश का राजनैतिक वातावरण एकदम से बदल गया। झारखंड और महाराष्ट्र सहित जहां–जहां विधानसभा उपचुनाव होने जा रहे हैं सभी जगह एनडीए और इंडी दोनों गठबंधनों का गणित बदल गया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नारा "बंटेंगे तो कटेंगे" हरियाणा से होता हुआ बांग्लादेश और कनाडा तक पहुंच गया है। भारतीय जनता पार्टी के नये नारे का प्रभाव स्पष्ट दिखाई दे रहा है जिसके कारण जाति के आधार पर हिंदू समाज को विभाजित कर सत्ता हथियाने वाले विपक्षी दलों के चेहरे पर तनाव व्याप्त हो गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नये नारे की लोकप्रियता इसी बात से समझी जा सकती है कि झारखंड से लेकर महाराष्ट्र तक उनके नारे के साथ पोस्टर लगाये जा रहे हैं। झारखंड में 10 बुलडोजरों के साथ उनका भव्य स्वागत किया गया। झारखंड में भारतीय जनता पार्टी पहली बार इतनी आक्रामकता के साथ हिंदुत्व की बात करते हुए चुनाव प्रचार कर ही है जिसका नेतृत्व असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा व केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के हाथ में है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता जो अपने राज्य असम में बांग्लादेशी घुसपैठ की समस्या से जूझ रहे हैं ने अपनी चुनावी जनसभाओं में इसे बहुत ही आक्रामक ढंग से उठाया है और वे स्पष्ट रूप से कह रहे हैं कि यह चुनाव किसी विधायक को चुनने का नहीं है अपितु अपना अस्तित्व बचाने का है। जब हम हिंदू बचे रहेंगे तभी तो आपना विधायक और सांसद चुन सकेंगे, अपनी सरकार चुन सकेंगे। मुख्यमंत्री हिमंता का कहना है कि देश के हर कोने में जहां– जहां बाबर बसे हैं उन्हें ढूंढ ढूंढकर देश से भगाया जाएगा। राज्य में भारतीय जतना पार्टी ने माटी, रोटी और बेटी बचाने का संकल्प लिया है और समाज की चार जातियों महिला, किसान, युवा और गरीब जनता के लिए वादों का पिटारा खोलते हुए उत्तराखंड व गुजरात की तरह राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने का निश्चय व्यक्त किया है। जबकि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का कहना है कि वह किसी भी कीमत पर समान नागरिक संहिता लागू नहीं होने देंगे। आज झारखंड राज्य की जो दयनीय स्थिति हो गई है उसके पीछे हेमंत सोरेन सरकार का परिवारवाद, उससे पनपा अथाह भ्रष्टाचार और फिर मुस्लिम तुष्टिकरण ही तीन प्रमुख कारण हैं। राज्य का हिंदू व आदिवासी समुदाय तो ईसाई मतांतरण व मुस्लिम लव जिहाद, लैंड जिहाद के जाल में फंसकर अल्पमत में आता जा रहा है। राज्य में मुस्लिम तुष्टिकरण के कारण हालात यह हो गये हैं कि झारखंड में 100 से अधिक सरकारी स्कूलों में रविवार का अवकाश ही समाप्त कर दिया गया और मुस्लिम बहुल इलाकों के सरकारी स्कूलों में हिंदू बच्चों से कहा गया कि आप हाथ जोड़ कर प्रार्थना मत करिये, यहां पर हाथ जोड़ने वाली परम्परा हटा दी गई हैं क्योकि हिंदू अल्पसंख्यक हैं। देश के कुछ अन्य हिस्सों की तरह ही झारखंड में भी हिंदू पर्वों पर मुसलमानों द्वारा हमलों की बाढ़ सी आ जाती है। झारखंड की जनता 22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का समारोह न देख पाए इसलिए मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए जानबूझकर कई जिलों में बिजली सप्लाई तक बाधित कर दी गई थी। राज्य में लव जिहाद के कई क्रूर प्रकरण हिंदू संगठनों की सक्रियता के कारण मीडिया में आ गए किंतु राज्य सरकार हर घटना को दबाती रही। अब झारखण्ड की राजनीति बदलने के लिए हिमंता और शिवराज के साथ यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनसभाओं का आरम्भ हो चुका है। प्रध ाानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी की रैलियों ने वातावरण में जोश भर दिया है। पीएम मोदी ने स्पष्ट कर दिया कि झारखण्ड विधानसभा चुनावों में इस बार बांग्लादेशी घुसपैठ के साथ ही रोटी –बेटी और माटी के साथ–साथ नोटों के पहाड़ का मुद्दा भी जोर–शोर से उठाया जाएगा। झारखंड की जनसभाओं में प्रधानमंत्री मोदी ने परिवारवाद, भ्रष्टाचार, घुसपैठ और आदिवासियों के मुद्दे पर हेमंत सोरेन पर जमकर प्रहार किया। पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के साथ जो व्यवहार किया गया वह भी बीजेपी की जनसभाओं में जनता को याद दिलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर अपने चुनावी हलफनामे में अपनी उम्र को लेकर

गलत जानकारी देने का आरोप लग चुका है तथा बीजेपी की ओर से उनका नामांकन रद्द करने तक की मांग गई थी।झारखंड में कमल खिलाने में एक और व्यक्ति जिसकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी वो हैं उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जो अपनी जनसभाओं में फुल फॉर्म में दिखाई दिए हैं। प्रचार के आरम्भ में ही उन्होंने कहाकि अपनी ताकत का एहसास कराइए जातियों में बंटना नहीं है जाति के नाम पर कुछ लोग बांटेंगे लेकिन आप लोग एक रहिए नेक रहिए। मुख्यमंत्री योगी ने सोरेन सरकार में मंत्री रहे आलमगीर आलम के घर से भारी मात्रा में कैश बरामद होने पर उनकी तुलना औरंगजेब से करी और कहा कि औरंगजेब ने देश को लूटा था मंदिरों को नष्ट किया था, उसी तरह झारखंड मुक्ति मोर्चे का एक मंत्री था जिसका नाम था आलमगीर। आलमगीर आलम जिसके घर से नोटों की गड्डियाँ मिली थीं। आजकल बांग्लादेश से लेकर कनाडा तक हिंदुओं के मंदिरों व उनके पर्वों को निशाना बनाते हुए उन पर हमले किये जा रहे हैं। इन हमलों को संज्ञान में लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समग्रता के साथ अपील कर रहे हैं कि अपनी ताकत का अनुभव करवाइए, जातियों में बंटना नहीं है जाति के नाम पर कुछ लोग आपको बांटेंगे। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से कांग्रेस व विपक्ष यही काम करती आ रही है। ये लोग बांग्लादेशी घुसपैठियों, रोहिंग्या आदि को बुला रहे हैं जो एक दिन आपको घर के अन्दर घंटी और शंख भी नहीं बजाने देंगे। इसलिए एक रहिए नेक रहिए। मैं तो कहता हूं कि जब भी बटे हैं निर्ममता से कटे हैं। राजनैतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि पिछले दिनों जिस प्रकार कनाडा में हिंदू मंदिर पर हमला किया गया और फिर वहां की पुलिस ने भी हिंदुओं को ही आरोपी बना डाला उसका स्वयं प्रधानमंत्री ने तीखा विरोध किया वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडी गठबंधन के किसी भी नेता ने हिंदुओं पर हो रहे हमलो की निंदा तक नहीं की जिसका असर गठबंधन की चुनावी संभावनाओं पर पड़ सकता है। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री योगी के नये नारे का ही प्रभाव है कि अब बांग्लादेश से लेकर कनाडा तक का हिंदू पूरी एकजुटता के साथ सड़कों पर उतर कर आंदोलन कर रहा है। कनाडा के हिंदुओं ने भी योगी जी के नारों "बटेंगे तो कटेंगे तथा एक रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे, नेक रहेंगे" जैसे नारो का उद्घोष कर अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया है। योगी जी के नारों से विपक्षी खेमा हताश है और आरोप लगा रहा है कि बीजेपी ध्रुवीकरण कर सत्ता प्राप्त करना चाहती है। विपक्षी खेमे में की हालत यह है कि योगी जी बोल झारखंड में रहे थे किंतु उन पर पलटवार महाराष्ट्र और लखनऊ से हो रहा था। यह भी माना जा रहा है इस नये नारे से बीजेपी ने कांग्रेस के जातिवाद की राजनीति का तोड़ भी खोज लिया है जिसका प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है क्योंकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या में बने भव्य राम मंदिर निर्माण की बात करते हुए भावुक होकर कांग्रेस व विपक्ष पर हमलावार होते हैं। योगी जी अपनी स्पष्टवादिता

बुरा या सबसे बुरा ?

मंगलवार को किस्मत बदलेगी। कुछ की प्रत्यक्ष तौर पर और कुछ की अप्रत्यक्ष तौर पर। आप और मैं, वे और हम दृ हम सब श्उनसेय प्रभावित होंगे। श्उनसेय मतलब वे जो अमेरिका के अगले राष्ट्रपति बनेंगे। कमला हैरेस या डोनाल्ड ट्रंप दृ इनमें से कोई भी राष्ट्रपति बने, पूरी दुनिया पर इसका असर होगा।मुकाबला कड़ा है, कांटे का है, इतना नजदीकी है कि नतीजे का अनुमान लगाना असंभव है। कमला हैरेस और डोनाल्ड ट्रंप दोनों अपनी–अपनी शैली और रणनीति से मतदाताओं को अपने पक्ष में करने का प्रयास करते रहे हैं। अपने कुछ श्रोताओं को उन्होंने निराश किया है तो कुछ में उम्मीदें जगाईं। दोनों के चुनाव अभियान दिलचस्प, आकर्षक और मनोरंजक थे दृ शब्दों का मायाजाल था, हाजिरजवाबी थी तो तीखी टिप्पणियां भी थी।कमला हैरेस के पास माहौल को अपने अनुकूल बनाने के लिए केवल सौ दिन थे। चूंकि वे चुनावी मैदान में देर से उतरी, अतरू उनके पास चुने जाने लायक उम्मीदवार की छवि बनाने के लिए अपेक्षाकृत कम समय था। इस थोड़े से समय में ही उन्होंने अपनी उन्मुक्त हंसी दृ जो चेहरे पर चिपकाई हुई नहीं लगती थी दृ और अपने आशावाद से सभी को मंत्रमुग्ध किया। उनके कारण चुनाव और चुनाव पर चर्चा में कुछ मसाला घुला और एक उबाऊ मुकाबला, दिलचस्प बन गया। इसका नतीजा यह हुआ कि उन्हें अरबों डालर चंदे के रूप में प्राप्त हुए, रिपब्लिकनों तक का अनुमोदन हासिल हुआ, वे लोकप्रिय पोडकास्टों एवं दिन में प्रसारित होने वाले टीवी और न्यूज नेटवर्कों पर अक्सर नजर आने लगीं और प्रभावशाली व्यक्तियों की पहली पसंद बन गईं। ओबामा से लेकर बियॉन्से, टेलर स्विफ्ट से लेकर हैरिसन फोर्ड, इकोनोमिस्ट से लेकर न्यूयार्क टाईम्स तक से कमला हैरिस को समर्थन और अनुमोदन मिला।और दीपावली आते–आते उनकी जीत पक्की होती नजर आने लगी। हैरिस की ट्रंप पर कुछ प्रतिशत की बढ़त से यह महसूस होने लगा कि बदलाव का क्षण नजदीक आ रहा है।लेकिन कमला का लगातार अपनी बातों को ट्रंप और उनकी जीत के खतरों पर केन्द्रित रखने और अपने सपनों के अमेरिका के बारे में लगभग कुछ न कहने से उनकी छवि धूमिल हुई है। खासतौर से पिछले कुछ दिनों में। पिछले कुछ समय से वे अपनी ब्रांड की राजनीति के लाभ गिनवाने की बजाय, डोनाल्ड ट्रम्प के खतरे गिनवाने लगी थीं। लोगों को अपनी प्रतिबद्धताओं और अपनी सोच से परिचित करवाने की बजाय वे जो बाइडन द्वारा तैयार की गई ध ुन गुनगुनाने लगी थीं दृ इस अशांत दौर में अमेरिका पीछे नहीं हट सकता।इस बीच ट्रम्प वह कहते रहे जो जनता सुनना चाहती थी। उनका हाथ जनता की नब्ज पर था। उन्होंने श्अमरीकीवादय की धुन छेड़ डी। उनकी अपील भावनात्मक है, वे अमरीका को फिर से महान बनाने का नारा लगाते हैं, वे राष्ट्रवाद की बात करते हैं और अमेरिकी होने पर गर्व महसूस करने पर जोर देते हैं। वे दर्शन या इतिहास का हवाला नहीं देते। वे किसी मुद्दे की सूक्ष्म पड़ताल में यकीन नहीं रखते। वे मोटी–मोटी बात करते हैं, चिल्लाकर करते हैं और आपको डराते हैं। उनके आलोचक उन्हें पत्थरदिल, विक्षिप्त और तानाशाह बताते हैं दृ एक ऐसा व्यक्ति जो सत्ता में आते ही दुनिया को बर्बाद कर देगा

फिल्मी दुनिया/सेहत

येलो और रेड साड़ी पहन भोजपुरी क्वीन मोनालिसा ने गिराई हुस्न की बिजली, कातिल अदाएं देखकर दिल हारे फैंस

भोजपुरी इंडस्ट्री की क्वीन मोनालिसा हमेशा अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स से फैंस के बीच कहर बरपाती रहती हैं। उनका बोल्ड अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी बेहद ही खूबसूरत तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनकी दिलकश अदाएं देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगता है।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने गणपति

उत्सव की कुछ बेहद खूबसूरत फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका खूबसूरत और ग्लैमरस लुक देखकर फैंस तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

मोनालिसा ने गणेश भगवान जी की पूजा के दौरान बेहद ही सुंदर येलो और रेड कलर की साड़ी पहनी हुई थी, जिसमें वो कातिलाना अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

कानों में गोल्ड के इयररिंग्स और गले में नेकलेस और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते रहते हैं।हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने लिखा है– आउटस्टैंडिंग।

विक्की विद्या का वो वाला वीडियो का ट्रेलर आउट, राजकुमार–तृप्ति ने लगाया रोमांस के साथ कामेडी का तड़का

राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की अपकमिंग कॉमेडी ड्रामा विक्की विद्या का वो वाला वीडियो का ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है. ट्रेलर काफी मजेदार है और कॉमेडी से भरपूर है. फिल्म में राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी लीड रोल में हैं उनके साथ ही मल्लिका शेरावत, विजय राज, मस्त अली जैसे कलाकार सपोर्टिंग रोल में हैं. इनके अलावा शहनाज गिल और दलेर मेहंदी का गाने में स्पेशल अपीयरेंस है.ट्रेलर की शुरूआत में विक्की और विद्या अपनी का इंटीमेट वीडियो बनाते हैं और इसे रिकॉर्ड करते हैं लेकिन इसकी सीडी प्लेयर कहीं चोरी हो जाती है. इसी को खोजने की जद्दोजहद में मेकर्स ने गजब का कॉमेडी का तड़का लगाया है जिसमें विजय राज एक पुलिस ऑफिसर की भूमिका में हैं जो मल्लिका शेरावत के प्यार में पड़ जाता है. हाल ही में मेकर्स ने इसका अनाउंसमेंट वीडियो शेयर किया था जो काफी दिलचस्प था. इस दिलचस्प टीजर में राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी टीवी जर्नलिस्ट की भूमिका में नजर आ रहे हैं और अपनी फिल्म के कलाकारों और क्रू को पेश करने के लिए एक शो होस्ट कर रहे हैं. इस टीजर को दर्शकों ने खूब पसंद किया. फिल्म टी–सीरीज, बालाजी टेलीफिल्म्स, वाकाओ फिल्म्स और थिंकिंग पिक्चर्स का ज्वाइंट वेंचर है. यह फिल्म 11 अक्टूबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. बता दें कि यह आलिया भट्ट और वेदांग रैना स्टारर जिगरा से टकराएगी, जो उसी दिन सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रहे हैं.

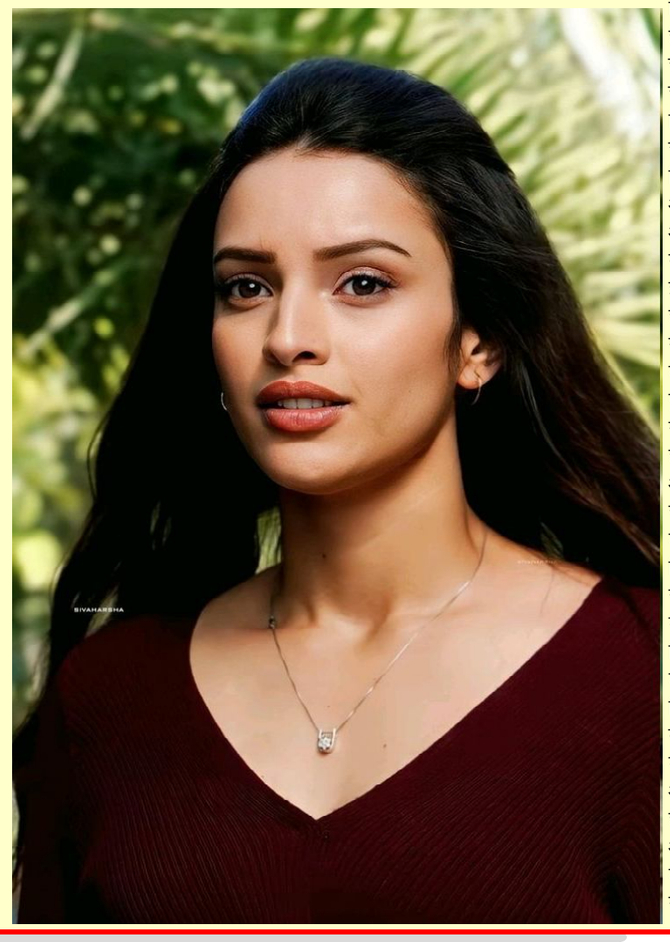

फेस स्किन को ग्लो देंगे ये अमेजिंग फेस टोनर, एजिंग इफेक्ट को कर देंगे स्लो डाउन

फेस सीरम हमारे चेहरे को न्यूट्रिशन देकर त्वचा को खराब होने से बचाने में मदद करता है। आज हम आपको बेस्ट क्वालिटी के फेस टोनर के बारे में बताने जा रहे हैं। साथ ही यह आपकी स्किन के लिए परफेक्ट हैं। फेस सीरम हमारे चेहरे को न्यूट्रिशन देकर त्वचा को खराब होने से बचाने में मदद करता है। हालांकि फेस को रिफ्रेश करने के लिए सैलून जाकर महंगे ट्रीटमेंट लेते हैं। लेकिन अब मार्केट में कई ऐसे फेस टोनर मिलती हैं, जो मिनटों में आपके फेस को जरूरी न्यूट्रिशन दे सकते हैं। यह टोनर आपकी त्वचा को हाइड्रेट रखते हैं और बदलते मौसम के कारण खराब नहीं होते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बेस्ट क्वालिटी के फेस टोनर के बारे में बताने जा रहे हैं। साथ ही यह आपकी स्किन के लिए परफेक्ट हैं। टपसऑँ जवतम का मिल्क ड्रॉप सीरम स्किन पोर्स को कम करता है। जो त्वचा तो हाइड्रेट रखता है और पीएच लेवल बैलेंस कर फेस ऑयल को सोख लेता है। इसमें राइस मिल्क इस्तेमाल किया जाता है। इस टोनर में अर्थ मरीन वाटर और मरीन एल्गी एक्सट्रैक्ट का इस्तेमाल किया गया है और अल्फा अर्ब्यूटिन डार्क स्पॉट को खत्म करता है। जिससे फेस का कॉम्प्लेक्शन सुधरता है। इसको रेगुलर इस्तेमाल करने से फेस की झाइंया हटाने में मदद मिलती है। यह फेस टोनर स्प्रे फॉर्म में आता है। थ्वतमेज म्मदजपंसे का फेस टोनर त्वचा को रिफ्रेश करता है और पोर्स को टाइट करता है। जिससे चेहरे की डलनेस दूर होती है। यह अल्कोहल फ्री टोनर है। जो ऑयली स्किन और एक्ने प्रो त्वचा के लिए बेस्ट माना जाता है। यह टोनर ब्लैकहेड्स और व्हाइट हेड्स को हटाने का काम करता है। इस फेस टोनर को रोजाना इस्तेमाल करने से फेस पर निखार आता है। ठपव–मेमदबम का य के लिए नियासिनअमाइड, जापानी रोज एक्सट्रैक्ट और ह्याल्यूरोनिक एसिड से भरपूर है। यह सभी तरह की स्किन के लिए परफेक्ट होता है। यह टोनर पोर्स को टाइट कर फेस की टोनिंग करता है। इसमें एंटी एजिंग क्वालिटी भी होती है। यह आपकी त्वचा को लंबे समय तक मॉइश्चराइज करता है। इस टोनर के रेगुलर से त्वचा की सेल्स की ऑक्सीजन सोखने की क्षमता 40 फीसदी बढ़ जाती है, जिससे आपका फेस ग्लो करता है। यह फेस टोनर राइस और सेरामाइड मॉइश्चराइजर से भरपूर होता है।

के.डी.न्यूज
(हिन्दी दैनिक)

सुलतानपुर गुरूवार
07 नवम्बर 2024

विराट कोहली ने किया ये कारनामा, सचिन तेंदुलकर का रिकार्ड तोड़ा

विराट कोहली ने इस कैलेंडर ईयर में अपने 1000 से ज्यादा रन वनडे में पूरे कर लिए हैं। विराट ने अपने करियर में ऐसा आठवीं बार किया है। इससे पहले भारतीय दिग्गज सचिन तेंदुलकर के नाम 7 बार एक कैलेंडर ईयर में 1000 से ज्यादा वनडे रन बनाने का रिकॉर्ड दर्ज था। पुणे में भारत और श्रीलंका के बीच मुकाबला खेला जा रहा है। वहीं इस मैच में विराट कोहली से फैंस को 49वें वनडे शतक की उम्मीद है। इसके साथ ही कोहली ने सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे। इससे पहले ही रन मशीन ने सचिन का एक और खास रिकॉर्ड तोड़ दिया है। दरअसल, विराट कोहली ने इस कैलेंडर ईयर में अपने 1000 से ज्यादा रन वनडे में पूरे कर लिए हैं। विराट ने अपने करियर में ऐसा आठवीं बार किया है।

इससे पहले भारतीय दिग्गज सचिन तेंदुलकर के नाम 7 बार एक कैलेंडर ईयर में 1000 से ज्यादा वनडे रन बनाने का रिकॉर्ड दर्ज था। विराट कोहली ने साल 2011–14 के बीच प्रत्येक वर्ष ये कारनामा किया है। इसके बाद उन्होंने 2017–19 और 2023 में एक कैलेंडर ईयर में एक हजार से ज्यादा वनडे रन बनाए हैं। जबकि सचिन ने 1994, 1996–98, 2000, 2003 और 2007 में एक हजार से ज्यादा वनडे रन बनाए। एक साल में 1000 वनडे रन बानने वाले खिलाड़ी वहीं इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर तीन खिलाड़ी संयुक्त रूप से मौजूद हैं। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली, श्रीलंका के कुमार संगाकारा और ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज रिकी पोटिंग अपने करियर में 6 बार ये कारनामा करने में कामयाब हुए हैं। फिलहाल, मुकाबले की बात करें तो श्रीलंकाई टीम ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाज का न्योता दिया। जहां भारत की शुरुआत बेहद खराब रही। भारतीय पारी के दूसरी ही गेंद में रोहित शर्मा अपना विकेट गंवा बैठे। लेकिन उसके बाद भारत की पारी को कोहली और गिल की जोड़ी ने आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं।

न्यूजीलैंड के 5 खिलाड़ी चोटिल, हेनरी के विकल्प के तौर पर जैमीसन को बुलाया

न्यूजीलैंड को शनिवार को बेंगलुरु में पाकिस्तान का सामना करना है। टूर्नामेंट के आखिरी चरण के मैचों से पहले दो तेज गेंदबाजों के साथ पांच खिलाड़ियों के चोटिल होने से न्यूजीलैंड की टीम मुश्किल स्थिति में है। वहीं काइल जैमीसन बतौर मैट हेनरी के कवर वर्ल्ड कप के लिए उन्हें बुलाया गया है। न्यूजीलैंड टीम इस समय चोटिल खिलाड़ियों से परेशान हैं। जिस कारण तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर काइल जैमीसन बतौर मैट हेनरी के कवर वर्ल्ड कप के लिए उन्हें बुलाया गया है। बाएं हाथ के पेसर मैट हेनरी अपनी दाहिनी हैमस्ट्रिंग के स्कैन के नतीजे का इंतजार कर रहे हैं। वहीं लॉकी फर्ग्यूसन लगातार अपनी चोट से उबर रहे हैं। वहीं न्यूजीलैंड को शनिवार को बेंगलुरु में पाकिस्तान का सामना करना है। टूर्नामेंट के आखिरी चरण के मैचों से पहले दो तेज गेंदबाजों के साथ पांच खिलाड़ियों के चोटिल होने से न्यूजीलैंड की टीम मुश्किल स्थिति में है। नियमित कप्तान केन विलियमसन (अंगूठा), लॉकी फर्ग्यूसन (टखना) और मार्क चौपमैन (पैर की मांसपेशियों) पहले से ही चोटों से जूझ रहे थे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बुधवार को खेले गए मैच में हेनरी और जेम्स नीशम भी चोटिल हो गये। हेनरी की दाहिनी हैमस्ट्रिंग (मांसपेशियों) के स्कैन के नतीजों के इंतजार के बीच न्यूजीलैंड को जैमीसन को भारत बुलाने पर मजबूर होना पड़ा। बता दें कि, जैमीसन पहले भी टीम में टिम साउदी के विकल्प के तौर पर थे। मुख्य कोच गैरी स्टीड ने एक बयान में कहा, ''मैट (हेनरी) की चोट की गंभीरता और पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले कम समय के बीच हम शनिवार के मैच के लिए टीम में गेंदबाज कम होने का जोखिम नहीं उठा सकते है।'' उन्होंने कहा, ''मैट ने पिछले दो विश्व कप चक्र में एकदिवसीय क्रिकेट में हमारे लिए विश्व स्तरीय प्रदर्शन किया है, इसलिए हम आज स्कैन परिणामों का अकलन करेंगे। स्टीड ने कहा कि जैमीसन भारत लौटने के लिए पूरी तरह से तैयार है। साथ ही उन्होंने कहा, '' जैमीसन आज भारत पहुंच जायेगा और हम टीम में उसका वापस स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। वह शुक्रवार को हमारे साथ इस सोच से अभ्यास करेगा कि शनिवार के मैच के लिए उपलब्ध रहे।

भारत को चौथा झटका, केएल राहुल लौटे पवेलियन

भारत बनाम श्रीलंका के बीच वर्ल्ड कप 2023 का 33वां मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जा रहा है। वहीं श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है जबकि भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करेगी। भारतीय टीम की प्लेइंग इलेवन में कोई बदलाव नहीं है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारत बनाम श्रीलंका के बीच वर्ल्ड कप 2023 का 33वां मुकाबला खेला जा रहा है। वहीं श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है जबकि भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करेगी। भारतीय टीम की प्लेइंग इलेवन में कोई बदलाव नहीं है। फिलहाल, भारत ने अपने सभी 6 मैचों में जीत हासिल की है, जिस कारण रोहित की अगुवाई में भारतीय टीम श्रीलंका को हराकर इस मैच में सेमीफाइनल का टिकट कटाने की फिराक में होगी। जबकि दूसरी तरफ श्रीलंकाई टीम की हालात खस्ता है उसने अपने 6 मैचों में अभी तक महज दो में ही जीत हासिल की है। श्रीलंका की टीम पॉइंट्स टेबल में सातवें पायदान पर है।

श्रीलंका के खिलाफ ऐसी हो सकती है भारत की प्लेइंग इलेवन, गेंदबाजी में बदलाव के आसार नहीं

भारतीय टीम 12 अंकों के साथ प्वॉइंट्स टेबल में पहले नंबर पर काबिज है। टीम के गेंदबाज और बल्लेबाज अच्छी लय में हैं। वहीं अब उसका सामना 2 नवंबर को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ होगा। इस मैच में श्रीलंका को हराकर भारतीय टीम सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करना चाहेगी। वर्ल्ड कप 2023 में भारत इस समय सबसे बेहतरीन फॉर्म में है। जहां अभी तक उसने 6 मैच खेले हैं और सभी में उसे शानदार जीत मिली है। इसके साथ ही भारतीय टीम 12 अंकों के साथ प्वॉइंट्स टेबल में पहले नंबर पर काबिज है। टीम के गेंदबाज और बल्लेबाज अच्छी लय में हैं। वहीं अब उसका सामना 2 नवंबर को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ होगा। इस मैच में श्रीलंका को हराकर भारतीय टीम सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करना चाहेगी।

जलवायु परिवर्तन को लेकर संयुक्त राष्ट्र की नई रिपोर्ट, रिकार्ड तोड़ने वाले तापमान और अन्य प्रभाव पर क्या कहा

संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि रिकॉर्ड तोड़ने वाले तापमान और दुनिया के कई हिस्सों पर गंभीर जलवायु प्रभाव के बावजूद, उपलब्ध अनुकूलन वित्त कहीं भी जरूरत के करीब नहीं है। अनुकूलन वित्त अंतर बढ़ रहा है और अब प्रति वर्ष 194 बिलियन अमेरिकी डॉलर और 366 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बीच है, जो संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम का अंडरफाइनेंस्ड है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अनुकूलन वित्त की जरूरतें मौजूदा अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक अनुकूलन वित्त प्रवाह से 10–18 गुना अधिक हैं। यूएनईपी ने अनुमान लगाया है कि विकासशील देशों के लिए अनुमानित अनुकूलन लागत और जरूरतें भी पिछले अनुमानों की तुलना में काफी अधिक हैं, इस दशक में प्रति वर्ष 215 बिलियन अमेरिकी डॉलर से 387 बिलियन अमेरिकी डॉलर की केंद्रीय सीमा है। अनुकूलन वास्तविक या अपेक्षित जलवायु और उसके प्रभावों के साथ समायोजन की प्रक्रिया है। जलवायु परिवर्तन पर अंतर सरकारी पैनल के अनुसार, मानव प्रणालियों में अनुकूलन का उद्देश्य नुकसान को कम करना या उससे बचना या लाभकारी अवसरों का फायदा उठाना है। बढ़ते जलवायु जोखिमों के कारण 2050 तक इन अनुकूलन लागतों में उल्लेखनीय वृद्धि होने का अनुमान है। रिपोर्ट में घरेलू अनुकूलन प्राथमिकताओं को लागू करने के लिए आवश्यक अनुकूलन वित्त का भी आकलन किया गया है। इस दशक के दौरान ये प्रति वर्ष 387 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। प्रति वर्ष 215 बिलियन अमेरिकी डॉलर से 387 बिलियन अमेरिकी डॉलर की अनुमानित नई सीमा सभी विकासशील देशों के संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 0.6: से 1: के बराबर है। इसके विपरीत, विकासशील देशों में अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक जलवायु वित्त प्रवाह 2018 और 2020 के बीच बढ़कर 25.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने के बाद 2021 में 15: कम होकर 21.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। हालांकि इसी अवधि में शमन वित्त में लगातार वृद्धि हुई है। पिछले पांच वर्षों में अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक अनुकूलन वित्त को भी 98: के समग्र विकास वित्त संवितरण अनुपात की तुलना में 66: के कम संवितरण अनुपात का सामना करना पड़ा है।

पुतिन सरकार के इस फैसले से हिल जाएगी दुनिया, बढ़ जाएगा परमाणु हमले का खतरा

1996 की संधि परमाणु हथियारों के लाइव परीक्षणों सहित सभी परमाणु विस्फोटों को गैरकानूनी घोषित करती है, हालांकि यह कभी लागू नहीं हुई क्योंकि संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन सहित कुछ प्रमुख देशों ने कभी इसकी पुष्टि नहीं की। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि के रूस के अनुसमर्थन को रद्द करने वाले कानून पर हस्ताक्षर किए। 1996 की संधि परमाणु हथियारों के लाइव परीक्षणों सहित सभी परमाणु विस्फोटों को गैरकानूनी घोषित करती है, हालांकि यह कभी लागू नहीं हुई क्योंकि संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन सहित कुछ प्रमुख देशों ने कभी इसकी पुष्टि नहीं की। पश्चिम ने रूस पर पिछले फरवरी में यूक्रेन पर हमला शुरू करने के बाद से लापरवाह परमाणु बयानबाजी का आरोप लगाया है। पुतिन ने पिछले सप्ताह बैलिस्टिक मिसाइल अभ्यास का निरीक्षण किया था, जिसे रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु ने एक अज्ञात दुश्मन के खिलाफ बड़े पैमाने पर जवाबी परमाणु हमले के लिए अभ्यास बताया था। पुतिन ने पिछले महीने यह भी कहा था कि वह ष्यह कहने के लिए तैयार नहीं हैंष कि रूस लाइव परमाणु परीक्षण करेगा या नहीं। संधि को रद्द करने का विधेयक पिछले महीने फास्ट–ट्रैक प्रक्रिया में रूस की संसद से पारित हुआ। संसदीय सुनवाई के दौरान, राज्य ड्यूमा के स्पीकर व्याचेस्लाव वोलोडिन ने कहा कि संधि को रद्द करने का कदम परमाणु हथियारों पर संयुक्त राज्य अमेरिका के संशयवाद और अशिष्ट रवैये की प्रतिक्रिया थी। हालाँकि यह कभी लागू नहीं हुआ, इस समझौते को परमाणु शक्तियों फ्रांस और ब्रिटेन सहित 178 देशों द्वारा अनुमोदित किया गया था, और इसका प्रतीकात्मक मूल्य है। इसके समर्थकों का कहना है कि इसने परमाणु हथियारों के लाइव परीक्षणों के खिलाफ एक अंतरराष्ट्रीय मानदंड स्थापित किया है, लेकिन आलोचकों का कहना है कि प्रमुख परमाणु शक्तियों के अनुसमर्थन के बिना समझौते की संभावना अवास्तविक है। पुतिन के पहली बार राष्ट्रपति बनने के छह महीने बाद जून 2000 में रूस की संसद ने समझौते को मंजूरी दे दी।

11 फरवरी 2024 को होंगे आम चुनाव, चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में दी जानकारी

सुप्रीम कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए), पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई), मुनीर अहमद और इबाद–उर–रहमान सहित विभिन्न पक्षों द्वारा प्रस्तुत याचिकाओं पर सुनवाई की। पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने देश के सुप्रीम कोर्ट को बताया कि बहुप्रतीक्षित आम चुनाव अगले साल 11 फरवरी को होंगे। डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, निर्वाचन निकाय के वकील सजील स्वाति ने खुलासा किया कि निर्वाचन क्षेत्रों के निर्धारण की प्रक्रिया 29 जनवरी तक पूरी हो जाएगी, जिससे चुनाव का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा। यह खुलासा एक सुनवाई के दौरान हुआ जहां सुप्रीम कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए), पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई), मुनीर अहमद और इबाद–उर–रहमान सहित विभिन्न पक्षों द्वारा प्रस्तुत याचिकाओं पर सुनवाई की।अदालत ने पहले ईसीपी और संघीय सरकार दोनों को 90 दिनों के भीतर चुनाव की समय–सीमा पर अपना इनपुट देने के लिए नोटिस जारी किया था। पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश (सीजेपी) काजी फैज ईसा ने इस बात पर जोर दिया कि हर कोई चुनाव चाहता है। सुनवाई के दौरान पीटीआई के वकील बैरिस्टर अली जफर ने दलील दी कि चुनाव 90 दिन की अवधि के भीतर होने चाहिए. हालाँकि, सीजेपी ईसा ने कहा कि यह अनुरोध अप्रभावी हो गया है। जफर ने दलील दी कि चुनाव कराने में देरी मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। पीटीआई द्वारा चुने गए पाकिस्तान के राष्ट्रपति ने शुरू में 6 नवंबर तक चुनाव कराने का प्रस्ताव रखा था, लेकिन कानून और न्याय मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि चुनाव की तारीख की घोषणा करने का अधिकार राष्ट्रपति के पास नहीं, बल्कि ईसीपी के पास है। देश की शीर्ष अदालत के सामने अब इस विवाद को सुलझाने, चुनाव की तारीख तय करने में राष्ट्रपति और ईसीपी की भूमिका पर विचार करने का काम है। इस बीच, ईसीपी ने चुनाव में देरी का कारण निर्वाचन क्षेत्रों के नए सिरे से परिसीमन की आवश्यकता का हवाला दिया था। इस फैसले पर राजनीतिक दलों की ओर से मिली–जुली प्रतिक्रिया आई है, कुछ ने मौसम की स्थिति के बारे में चिंता व्यक्त की है, जबकि अन्य ने तत्काल चुनाव की तारीखों और समान अवसर की मांग की है।

दुनिया के सबसे प्रदूषितों की सूची में पाकिस्तान का ये शहर, 127 मिलियन की आबादी वाले प्रांत में स्माग इमरजेंसी

प्रांतीय राजधानी दुनिया भर में सबसे प्रदूषित शहरों में से एक बनी हुई है। सरकार का यह फैसला लगातार खतरनाक वायु गुणवत्ता सूचकांक के कारण लाहौर में तुरंत स्मॉग आपातकाल लगाने के लाहौर उच्च न्यायालय के आदेश के आलोक में आया है। भारत के पड़ोसी मुल्क में प्रदूषण से बुरा हाल है। पाकिस्तान का लाहौर दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की लिस्ट में टॉप पर काबिज है। अब पाकिस्तान की पंजाब कार्यवाहक सरकार ने 127 मिलियन की आबादी वाले प्रांत में स्मॉग आपातकाल लगा दिया है। प्रांतीय राजधानी दुनिया भर में सबसे प्रदूषित शहरों में से एक बनी हुई है। सरकार का यह फैसला लगातार खतरनाक वायु गुणवत्ता सूचकांक के कारण लाहौर में तुरंत स्मॉग आपातकाल लगाने के लाहौर उच्च न्यायालय के आदेश के आलोक में आया है। एलएचसी के न्यायाधीश शाहिद करीम ने वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने में विफलता के लिए लाहौर आयुक्त को फटकार लगाई। न्यायधीश ने कहा कि स्मॉग मेरी व्यक्तिगत समस्या नहीं है बल्कि यह हमारे बच्चों के जीवन के लिए चिंता का विषय है। आप लाहौर नगर के संरक्षक हैं। देखिए, आपने इसके साथ क्या किया है, आपको लाहौर की स्थिति पर शर्म आनी चाहिए। खतरनाक वायु गुणवत्ता की स्थिति के कारण लाहौर दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में से एक बना हुआ है। वैश्विक वायु गुणवत्ता निगरानी मंच ॣपुंपत.बवउ की रिपोर्ट के अनुसार, प्रांतीय राजधानी मेंतक पहुंच गया। ।फ५ 50 से नीचे होने पर हवा में सांस लेना सुरक्षित माना जाता है। गौरतलब है कि लाहौर को किसी जमाने में बागों का शहर कहा जाता था।

इजरायल निर्दोष लोगों को मार रहा...जार्डन ने संबंध तोड़ते हुए राजदूत को बुलाया वापस

जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला ने भी 19 अक्टूबर को मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल–सिसी के साथ एक संयुक्त बयान में कहा कि उन्होंने इजरायल के भीड़भाड़ वाले फिलिस्तीनी क्षेत्र की नाकाबंदी के खिलाफ इजरायल के हमलों के खिलाफ बात की है। जॉर्डन ने घोषणा की है कि वह गाजा में युद्ध के जवाब में इजराइल में अपने राजदूत को तुरंत वापस बुला रहा है और इजराइल पर अभूतपूर्व मानवीय तबाही पैदा करने का आरोप लगाया है। जॉर्डन के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि विदेश मंत्री अयमान सफादी ने इजराइल में जॉर्डन के राजदूत को तुरंत वापस बुलाने का फैसला किया है। मंत्रालय ने कहा कि उसका दूत तभी वापस आएगा जब इजराइल घिरे हुए क्षेत्र पर अपना युद्ध बंद कर देगा। इसने इजराइल से संकट के बीच राज्य में अपने राजदूत को वापस बुलाने के लिए भी कहा। पूर्वी येरुशलम से अल जजीरा के एलन फिशर ने कहा कि यह कदम कूटनीतिक रूप से काफी महत्वपूर्ण है। लेकिन यह गाजा में जमीन पर इजरायलियों के साथ जो हो रहा है उसे बदलने वाला नहीं है। इजराइल–जॉर्डन संबंधों का परीक्षण जॉर्डन पूर्व में इजराइल का पड़ोसी है। उसने 1994 से तेल अवीव के साथ एक नाजुक शांति समझौता किया

चीन बढ़ा रहा था नजदीकियां, अब भारत ने सीधा 8 दिनों के लिए भूटान नरेश को दिल्ली बुला लिया

विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि वांगचुक के साथ भूटान सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी यात्रा पर आएंगे। यात्रा के दौरान राजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर और वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक 3–10 नवंबर के दौरान भारत की आधिकारिक यात्रा करेंगे। इन रिपोर्टों की पृष्ठभूमि में कि चीन और भूटान अपनी विवादित सीमा को हल करने के लिए एक समझौते की ओर बढ़ रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि वांगचुक के साथ भूटान सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी यात्रा पर आएंगे। यात्रा के दौरान राजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर और वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। राजा भूटान की सीमा से लगे असम राज्य और महाराष्ट्र का भी दौरा करेंगे। बयान में कहा गया है कि भारत और भूटान के बीच मित्रता और सहयोग के

अनूठे संबंध हैं, जिनकी विशेषता समझ और आपसी विश्वास है। यह यात्रा दोनों पक्षों के लिए द्विपक्षीय सहयोग के दायरे की समीक्षा करने और षविभिन्न क्षेत्रों में अनुकरणीय द्विपक्षीय साझेदारी को आगे बढ़ानेष का अवसर होगी। यह यात्रा चीन और भूटान द्वारा बीजिंग में 25वें दौर की सीमा वार्ता आयोजित करने और ष्भूटान–चीन सीमा के परिसीमन और सीमांकन पर संयुक्त तकनीकी टीम (जेटीटी) की जिम्मेदारियों और कार्योंष पर एक सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर करने के कुछ हफ्तों बाद हो रही है।दोनों देशों ने 2016 में सीमा वार्ता का आखिरी दौर आयोजित किया था और नया समझौता सीमा मुद्दे को हल करने के लिए 2021 में अंतिम रूप दिए गए तीन–चरणीय रोडमैप पर आधारित है। सीमा के परिसीमन पर पहली तकनीकी वार्ता अगस्त में हुई थी, और विशेषज्ञों का मानना ष्है कि यह एक संकेत था कि भूटान और चीन अपनी विवादित सीमा के संभावित संरेखण पर सहमत हुए हैं। भूटान के विदेश मंत्री टांडी दोरजी ने उप विदेश मंत्री सुन वेइदोंग के साथ सीमा वार्ता के बाद बीजिंग में अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात की। इस वार्ता के दौरान सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए गए और दोनों पक्षों ने कहा है कि वे जल्द ही सीमा समझौता चाहते हैं। भूटान और चीन के बीच हालिया वार्ता जिस गति से आगे बढ़ी है, उसने नई दिल्ली में पर्यवेक्षकों को आश्चर्यचकित कर दिया है। मामले से परिचित लोगोंका मानना ष्है कि भूटान राजा अपनी यात्रा का उपयोग भारतीय नेतृत्व को चीन के साथ सीमा वार्ता पर भूटान की स्थिति समझाने के लिए

नेपाल को सबक, बांग्लादेश का साथ, शेख हसीना की बेटी की जीत में भारत ने क्या रोल निभाया

भारत ने इन दिनों चीन की भाषा बोलने वाले नेपाल के ऊपर बांग्लादेश को तरजीह दी। डब्ल्यूएचओ दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र ऑफिस के अनुसार साइमा वाजेद को अगले साल शुरू होने वाले 4 साल के कार्यकाल के लिए क्षेत्रीय निदेशक के रूप में 8 वोट मिले। उनके प्रतिद्वंवंदि को महज 2 वोट मिले। विश्व स्वास्थ्य संगठन के नई दिल्ली स्थित दक्षिणपूर्व एशिया के क्षेत्रीय निदेशक के चुनाव के लिए बांग्लादेश की प्रधान मंत्री शेख हसीना की बेटी और मनोवैज्ञानिक साइमा वाजेद और नेपाल के डब्ल्यूएचओ में शीर्ष सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ शंभू प्रसाद आचार्य के बीच कूटनीतिक लड़ाई ने काफी सुर्खियां बटोरीं हैं। भारत के लिए दोनों पड़ोसी मुल्क के दावेदारों में से एक को चुनने जैसी धर्म संकट वाली स्थिति उतपन्न हो गई थी। लेकिन फिर भारत ने इन दिनों चीन की भाषा बोलने वाले नेपाल के ऊपर बांग्लादेश को तरजीह दी। डब्ल्यूएचओ दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र ऑफिस के अनुसार साइमा वाजेद को अगले साल शुरू होने वाले 4 साल के कार्यकाल के लिए क्षेत्रीय निदेशक के रूप में 8 वोट मिले। उनके प्रतिद्वंवंदि को महज 2 वोट मिले। मंत्रालय ने कहा कि वाजेद को भारत सहित डब्ल्यूएचओ क्षेत्रीय देशों के 10 सदस्य देशों की भागीदारी के साथ एक वोटिंग में चुना गया है, उन्हें 8 वोट मिले और उनके प्रतिद्वंद्वी नेपाल के डॉ. आचार्य को 2 वोट मिले। वाजेद स्कूल मनोवैज्ञानिक हैं और मानसिक स्वास्थ्य और ऑटिज्म पर डब्ल्यूएचओ प्रमुख के सलाहकार रही हैं, जबकि आचार्य तीन दशकों से अधिक समय से डब्ल्यूएचओ के साथ काम कर रहे हैं और वह वर्तमान में डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक कार्यालय में निदेशक रह चुके हैं। बांग्लादेश ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के दक्षिण–पूर्व एशिया क्षेत्र की निदेशक के रूप में साइमा वाजेद का चुनाव सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति उनके जुनून को मिली मान्यता और उनके नेतृत्व कौशल में विश्वास को दर्शाता है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की बेटी साइमा को संगठन का दक्षिण–पूर्व एशिया निदेशक चुना गया है। साइमा का चार साल का कार्यकाल 2024 में शुरू होगा। डब्ल्यूएचओ के बयान में कहा गया है, सदस्य देशों ने दक्षिण–पूर्व एशिया की क्षेत्रीय समिति के 76वें सत्र में बैठक के दौरान साइमा वाजेद का चुनाव किया। साइमा ने इस पद के लिए हुए चुनाव में नेपाल के उम्मीदवार डॉ. शंभू प्रसाद आचार्य को हराया। साइमा ने एक्' पर लिखा, मुझे डब्ल्यूएचओ के दक्षिण–पूर्व एशिया क्षेत्र की अगली निदेशक चुनने के लिए सदस्य देशों का आभार व्यक्त करती हूं।"

हमास–इजरायल जंग, रूस–यूक्रेन युद्ध..सभी का समाधान नई दिल्ली से निकलेगा ? बाइडेन के 2 पावरफुल मंत्री टू प्लस टू वार्ता करने आ रहे भारत

मेरिकी विदेश मंत्री एंथनी ब्लिंकन और रक्षा सचिव लॉयड जे. ऑस्टिन अगले सप्ताह 5वीं वार्षिक 22 मंत्रिस्तरीय वार्ता के लिए भारत में होंगे। ये बैठक दोनों देशों के बीच रक्षा साझेदारी बढ़ाने और वैश्विक स्तर पर नीतियों पर आम सहमति बनाने पर केंद्रित होगा। मौजूदा वैश्विक अशांति के बीच भारत और अमेरिका आगामी 9–10 नवंबर को नई दिल्ली में टू प्लस टू बैठक आयोजित करने वाले हैं। टू प्लस टू वार्ता के दौरान भारत और अमेरिका के बीच रक्षा, सुरक्षा, तकनीक और व्यापार व निवेश के क्षेत्र में कई बड़े समझौते और ऐलान होने की उम्मीद है। ऐसे में पाकिस्तान और चीन जैसे दुश्मनों का जलना स्वाभाविक है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंथनी ब्लिंकन और रक्षा सचिव लॉयड जे. ऑस्टिन अगले सप्ताह 5वीं वार्षिक 22 मंत्रिस्तरीय वार्ता के लिए भारत में होंगे। ये बैठक दोनों देशों के बीच रक्षा साझेदारी बढ़ाने और वैश्विक स्तर पर नीतियों पर आम सहमति बनाने पर केंद्रित होगा। वे नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने के अलावा विदेश मंत्री एस जयशंकर और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ बैठक करेंगे। अमेरिकी विदेश विभाग के एक बयान में कहा गया है कि प्रतिनिधिमंडल षद्विपक्षीय और वैश्विक चिंताओंष और भारत–प्रशांत क्षेत्र के विकास पर चर्चा करेंगे। रक्षा और राजनयिक प्रतिष्ठान के सूत्रों ने कहा कि कई प्रमुख मुद्दे चर्चा में आएंगे। रक्षा मोर्चे पर, फोकस का क्षेत्र जेट इंजन प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण के लिए चल रही बातचीत होगी जो तेजस एमके 2 लड़ाकू विमानों को शक्ति प्रदान करेगी, इसके अलावा भारतीय सेना को हथियारों से लैस करने के लिए एमक्यू9बी ड्रोन के सौदे पर भी चर्चा होगी। बैठक में किस बात पर फोकस? दोनों देशों के बीच ये पांचवीं बैठक है। भले ही सभी चार नेताओं की योजना में बहुत कुछ है। यूक्रेन में युद्ध जारी है और इजराइल और हमास के बीच परेशानी अभी शुरू हुई है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव जैसे घरेलू मुद्दे भी हैं। स्वाभाविक रूप से इजराइल–फिलिस्तीन और रूस–यूक्रेन के साथ–साथ इंडो–पैसिफिक पर भी चर्चा की जाएगी। बैठक के बाद रक्षा सचिव ऑस्टिन एक महत्वपूर्ण सैन्य अड्डे का दौरा करेंगे। भारत और 22 मंत्रिस्तरीय संवाद हमास–इजरायल जंग, रूस–यूक्रेन युद्ध..सभी का समाधान नई दिल्ली से निकलेगा? बाइडेन के 2 पॉवरफुल मंत्री टू प्लस टू वार्ता करने आ रहे भारत मेरिकी विदेश मंत्री एंथनी ब्लिंकन और रक्षा सचिव लॉयड जे. ऑस्टिन अगले सप्ताह 5वीं वार्षिक 22 मंत्रिस्तरीय वार्ता के लिए भारत में होंगे। ये बैठक दोनों देशों के बीच रक्षा साझेदारी बढ़ाने और वैश्विक स्तर पर नीतियों पर आम सहमति बनाने पर केंद्रित होगा। मौजूदा वैश्विक अशांति के बीच भारत और अमेरिका आगामी 9–10 नवंबर को नई दिल्ली में टू प्लस टू बैठक आयोजित करने वाले हैं। टू प्लस टू वार्ता के दौरान भारत और अमेरिका के बीच रक्षा, सुरक्षा, तकनीक और व्यापार व निवेश के क्षेत्र में कई बड़े समझौते और ऐलान होने की उम्मीद है। ऐसे में पाकिस्तान और चीन जैसे दुश्मनों का जलना स्वाभाविक है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंथनी ब्लिंकन और रक्षा सचिव लॉयड जे. ऑस्टिन अगले सप्ताह 5वीं वार्षिक 22 मंत्रिस्तरीय वार्ता के लिए भारत में होंगे। ये बैठक दोनों देशों के बीच रक्षा साझेदारी बढ़ाने और वैश्विक स्तर पर नीतियों पर आम सहमति बनाने पर केंद्रित होगा।

पिपरौली छठ घाट का एडीओ पंचायत ने किया निरीक्षण

पिपरौली गोरखपुर पिपरौली बाजार स्थित छठ घाट का एडीओ पंचायत अरविंद कुमार सिंह द्वारा निरिक्षण किया गया। इस अवसर पर उन्हों ने कहा कि सफाई व्यवस्था का काम अधूरा है ।कल दिन में 12 बजे तक सफाई व्यवस्था के संबंध में समस्त कार्य हो जाने चाहिए। जिससे लोक आस्था के इस पर्व पर लोगों को कठिनाई न हो।इस अवसर पर ग्राम प्रधान अब्दुल खालिक, पिपरौली सचीव सुषमा चौबे, चंद्र कुमार सिंह, सुनील निगम, देवी आकाश गुप्ता, अरविंद गुप्ता, दीपक, सोनू, नरेश सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पिपरौली ब्लाक मुख्यालय पर ब्लांक कर्मियों ने दी श्रद्वांजलि

पिपरौली गोरखपुर पिपरौली ब्लाक मुख्यालय के मुख्य सभागार में मृतक ब्लॉक कर्मी संतोष कुमार भट्ट को बीडीओ आई ए एस शिशिर कुमार सिंह की अध्यक्षता में एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित करके दो मिनट का मौन रख करके समस्त ब्लॉक कर्मियों ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

बताते चले कि पिपरौली ब्लाक के ब्लॉक कर्मी संतोष कुमार भट्ट तकनीकी सहायक पद पर कार्यरत थे। मंगलवार की शाम ब्लॉक से घर जाते समय गीडा थाना के बरहुआ के पास अज्ञात वाहन के चपेट में आने से इनकी मौत हो गई। मूलतः यह पाली ब्लॉक के कुंडा गांव के थे तथा वर्तमान समय में शाहपुर थाना के एल्युमिनियम फैक्ट्री के पास रहा करते थे। इस अवसर पर एडीओ पंचायत अरविंद कुमार सिंह, एडीओ आईएसबी, संजय कुमार दुबे, अजय कुमार जायसवाल, समीर कुमार यादव, अजय यादव, चंद्र प्रकाश, यादवेंद्र, सचिन, रामप्रीत, राजेश सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सीसी कैमरे की मदद से चोरी करते हुए पकड़ा गया चोर

गोरखपुर। मंगलवार – बुधवार की रात्रि में 1 बजे रामगढ़ ताल थाना क्षेत्र के रुस्तमपुर मोहल्ले के निवासी राजस्व निरीक्षक विनय कुमार श्रीवास्तव अपने आवास पर सरकारी कार्यों का निपटारा कर रहे थे। तभी उनकी नजर घर में लगे सीसी कैमरे के स्क्रीन पर पड़ गई तो देखा उनके घर में अनजान व्यक्ति आकर चोरी कर रहा है। राजस्व निरीक्षक विनय कुमार श्रीवास्तव ने तत्परता दिखाते हुए चोर के उपर झपट्टा मारते हुए दबोच लिया। उसके बाद हल्ला करने लगे। परिवार के अन्य सदस्य भी जाग गए। रात्रि में 1.30 बजे रामपुर निवासी चोर झिंनक को रामगढ़ ताल पुलिस को सौंपते हुए अपना प्रार्थना पत्र दे दिए। जिससे चोर को सलाखों के पीछे भेजा जा सके। अगर घर में सीसी कैमरा नहीं लगा होता तो चोर घर में कितना बड़ा नुकसान पहुंचता, इसका अंदाजा तो घर स्वामी राजस्व निरीक्षक विनय कुमार श्रीवास्तव को चोरी होने के बाद पता चलता लेकिन सीसी कैमरे ने चोरी होने से बचा लिया।

चिलुआताल थाना क्षेत्र के नकहा 1 में युवक की गला काटकर हत्या

गोरखपुर। चिलवाताल थाना क्षेत्र के नकहा नंबर 01 में मोती लॉन मैरिज हॉल के पीछे अनिल गुप्ता नाम के एक युवक की गला रेट कर हत्या कर दी गई और लाश को नाली में फेंक दिया गया। पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अज्ञात कातिलों की तलाश में जुट गई है। बुधवार की सुबह 7 बजे स्थानीय लोगों ने आखा नंबर एक मोती लोन के पीछे खून से सनी हुई एक युवक की लाश को देखकर चिलुआताल पुलिस को खबर दिया। मौके पर पहुंच पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने लाश की शिनाख्त की कोशिश की तो मालूम हुआ कि मृतक यादव टोला नकहा नंबर 1 का रहने वाला अनिल गुप्ता है। अनिल गुप्ता की 3 वर्ष पूर्व शादी हुई थी, डेढ़ साल का बच्चा है। 6 भाइयों में चौथे नंबर पर था। मृतक के परिजनों का कहना है कि किसी से किसी प्रकार की कोई रंजिश या दुश्मनी नहीं थी। मृतक की बरगदवा में कपड़े की दुकान है। अज्ञात हम लोगों ने मृतक अनिल गुप्ता की धारदार हथियार से गलरित कर हत्या की और लास्ट को नाली में फेंक दिया। पुलिस कातिलों की तलाश में लगी हुई है।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव ग्रोवर ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया। उन्होंने थानाध्यक्ष को निर्देशित किया कि जल्द से जल्द कातिल को सलाखों के पीछे पहुंचाया जाए।

छठ पर्व की धूम, बाजारों में भारी भीड़, नहाय–खाय के साथ व्रत प्रारंभ

खजनी गोरखपुर खजनी तहसील क्षेत्र के खजनी में छठ पूजा की तैयारियों के बीच बाजारों में भारी भीड़ उमड़ी। स्थानीय लोगों को दिनभर जाम का सामना करना पड़ रहा था। जाम को मद्देनजर देखते हुए खजनी थाना थानाध्यक्ष सदानंद सिन्हा ने पुलिस टीम लगा कर भीड़ को नियंत्रित करने में लगे रहे और नियंत्रण पाएं। नहाय–खाय के साथ छठ पूजा का प्रारंभ होते ही खरना की तैयारी में लगे लोगों ने छठ घाटों और पूजा की वेदी को विशेष रूप से सजाया। उनवल, हरनहीं, रकौली, खजुरी बाजार, बढ़नी चौराहा, सतुआभार, छताईं सहित सभी स्थानों पर सड़क किनारे छठ पूजा सामग्री की दुकानें लगी। व्रती महिलाओं के साथ परिवारीजन सामानों की खरीदारी करते रहे।

यातायात जागरूकता रैली को एसएसपी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

गोरखपुर। माह नवंबर में पूरे प्रदेश में यातायात जागरूकता के रूप में मनाया जाता है पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान यातायात जागरूकता रैली को एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। बाइक पर सवार ट्रैफिक पुलिस के जवानो के हाथों में तख्ती पर यातायात जागरूकता के स्लोगन लिखे हुए । लोगों को यातायात के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य आज बाइक रैली निकाली गई , यह रैली पुलिस लाइन से निकलकर काली मंदिर गणेश चौराहा गोलघर कचहरी चौराहा शास्त्री चौक होते हुए पुनः यातायात कार्यालय पर आकर समाप्त हुई।

मीडिया से बात करते हुए एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने कहा कि माह नवंबर में पूरे प्रदेश में यातायात जागरूकता अभियान मनाया जा रहा है । ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू से संचालित करने के लिए ट्रैफिक पुलिस द्वारा स्कूल कॉलेज में जाकर बच्चों को जागरूक किया गया, ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू से चलाने के लिए संसाधनों का क्रय भी किया गया है। त्यौहार का सीजन चल रहा है ऐसे में आम जनमानस की सुरक्षा के साथ सुगम यात्रा बनाने के लिए ट्रैफिक पुलिस के अधिकारी व कर्मचारी विभिन्न मार्गों पर तैनात किए गए हैं जागरूकता का लक्ष्य एक ही है आने वाले दिनों में ट्रैफिक एक्सीडेंट में हो रही मृत्यु दर को कम करना है और ओवरऑल एक्सीडेंट को कम किया जा सके, उन्होंने कहा कि गोरखपुर की जनता का भरपूर सहयोग मिल रहा है ज्यादातर लोग हेलमेट और सीट बेल्ट लगाकर चल रहे हैं जिनकी संख्या बड़ी है, आईटीएमएस कंट्रोल रूम के जरिए चौराहों पर निगाह रखी जा रही है और अपराध कंट्रोल करने में भी इससे मदद मिल रही है त्यौहार का सीजन चल रहा ऐसे में ड्रोन कैमरे के जरिए भी ट्रैफिक व्यवस्था पर निगाह बनाए रखा गया है। इस अवसर पर एसपी ट्रैफिक संजय कुमार, यातायात निरीक्षक मनोज कुमार, यातायात उपनिरीक्षक अजीत कुमार पांडेय, यातायात उपनिरीक्षक रामवृक्ष यादव समेत तमाम यातायात पुलिस की जवान मौजूद रहे।

नवंबर माह का राशन का इंतजार कर रहे लोगो का इंतजार हुआ खत्म

गोरखपुर माह नवंबर मे राशन का इंतजार कर रहे राशन कार्ड धारको का अब इंतजार खत्म होने वाला है। दरअसल उत्तर प्रदेश सरकार ने राशन कार्ड धारको के लिए गुरुवार यानी 7 नवंबर से 25 नवंबर तक राशन वितरण की तारीख सुनिश्चित की है। आपको बता दें राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत प्रत्येक माह भारत सरकार प्रत्येक अंतोदय कार्ड धारकों को 35 किलो राशन मुफ्त देती है। जिसमें 14 किलो गेहूं तथा 21 किलो चावल मुफ्त देती थी। जिसको बदल कर अब माह नवंबर से 17 किलो गेहूं तथा 18 किलो चावल देने का फैसला किया गया है। वहीं पात्र गृहस्थी राशन कार्ड धारकों को प्रत्येक यूनिट 5 किलो राशन जिसमें 2 किलो गेहूं तथा 3 किलो चावल मुफ्त देती थी जिसको बदलकर 2.5 किलो गेहूं तथा 2.5 किलो चावल प्रति यूनिट देने का फैसला किया गया है। आपको बता दे कि 1 जनवरी 2024 से दिसंबर 2028 तक यानी 5 वर्ष तक भारत सरकार प्रत्येक राशन कार्ड धारकों को मुफ्त राशन देना का फैसला किया था। जिसको बखूबी भारत सरकार निभा रही है।

उरुवा – धुरियापार मार्ग पर तेजी से चल रहा निर्माण कार्य, जनता में खुशी का माहौल

उरुवा गोरखपुर उरुवा – धुरियापार मार्ग की दयनीय स्थिति लंबे समय से स्थानीय लोगों के लिए एक गंभीर समस्या रही है, लेकिन अब इस समस्या का समाधान होते हुए नजर आ रहा है। इस मार्ग का निर्माण कार्य तेजी से चालू होने के कारण जनता में उत्साह और खुशी का माहौल है। लोगों को वर्षों की असुविधा के बाद आखिरकार राहत मिलने की उम्मीदें पूरी होती दिख रही हैं। सड़क की मरम्मत की मांग स्थानीय निवासियों द्वारा कई सालों से उठाई जा रही थी। इस मार्ग पर सफर करना काफी कठिन था, खासकर बरसात के मौसम में। कई सालों से खराब स्थिति में पड़े इस मार्ग पर अब कार्य शुरू होने से लोगों को काफी राहत महसूस हो रही है। निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए प्रशासन ने विशेष ध्यान दिया है, जिससे लोगों की उम्मीदें बढ़ गई हैं। इस कार्य के लिए लोग उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी का आभार व्यक्त कर रहे है। साथ ही लोग की समस्याओं को मुख्यमंत्री जी को लगातार अवगत करने कराने वाले बांसगांव सांसद कमलेश पासवान, चिल्लूपार विधायक राजेश त्रिपाठी और उरुवा – धुरियापार से जिला पंचायत सदस्य गौरी मिश्रा उर्फ डिंकू बाबा और अन्य साथियों जिन लोगों के इस रस्ते को लेकर लगातार आवाज उठाते रहे है उन सब का धन्यवाद कर रहे हैं। इन नेताओं के सहयोग और प्रयासों के चलते ही यह मार्ग निर्माण कार्य संभव हो सका है। नेताओं ने जनता की समस्याओं को प्राथमिकता दी और आवश्यक संसाधन जुटाकर इस परियोजना को शुरू करा

समय और सफर में मिलेगी राहत

उरुवा–धुरियापार मार्ग के निर्माण से आम लोगों के दैनिक सफर में काफी सहूलियत होगी। इस मार्ग के बन जाने से न सिर्फ यात्रा में समय की बचत होगी, बल्कि लोगों को सफर में भी आसानी होगी। सड़क के बेहतर होने से व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य सुविधाओं तक पहुंच भी आसान होगी, जिससे पूरे क्षेत्र में विकास की संभावनाएं भी बढ़ेंगी।इस मार्ग के बनने से उरुवा और धुरियापार जैसे क्षेत्रों को अन्य प्रमुख स्थानों से जोड़ने में मदद मिलेगी। सड़क के बन जाने से क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को भी बल मिलेगा और व्यापारियों को अपने माल की आवाजाही में सहूलियत होगी। इसका सकारात्मक असर स्थानीय व्यापार और उद्योगों पर भी देखने को मिलेगा। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस मार्ग के बनने से यात्रा अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक हो जाएगी। उरुवा–धुरियापार मार्ग के निर्माण के चलते लोग अपने बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य जरूरी कार्यों के लिए आसानी से आ–जा सकेंगे। यह सड़क सिर्फ एक मार्ग नहीं, बल्कि क्षेत्र की खुशहाली और विकास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा साबित होगी। इस निर्माण कार्य से न केवल स्थानीय निवासियों को राहत मिलेगी, बल्कि यह क्षेत्र के विकास में भी मील का पत्थर साबित होगा।

मशहूर गायिका शारदा सिन्हा का निधन, शोक

गोरखपुर मशहूर गायिका शारदा सिन्हा का आज छठ पर्व के पहले दिन निधन हो गया। मशहूर गायिका शारदा सिन्हा काफी दिनों से बीमार चल रही थी। वो दिल्ली एम्स में भर्ती थी। सोमवार को उनकी अचानक तबियत इतनी बिगड़ी कि उनको तुरंत ही वेंटीलेटर पर रखना पड़ा। जिसके बाद भी उनकी तबियत नहीं संभली और उन्होंने आज दिल्ली एम्स में ही 72 वर्ष की आयु में अपने जिंदगी की अंतिम सांस ली। आपको बता दे कि शारदा सिन्हा बिहार की एक मशहूर गायिका थी। उन्होंने मैथिली, भोजपुरी के अलावे हिन्दी गीत गाये। मैंने प्यार किया, हम आपके है कौन तथा गैंग्स ऑफ वासेपुर जैसी फिल्मों में इनके द्वारा गाये गीत काफी प्रचलित हुए।

क्षेत्राधिकारी और थानाध्यक्ष ने किया छठ घाट का निरीक्षण

छठ घाटों पर होगी सुरक्षा व्यवस्था – थानाध्यक्ष सदानंद सिन्हा

खजनी गोरखपुर गोरखपुर जिले के खजनी तहसील के सरयां तिवारी के छठ घाट जूनियर हाई स्कूल पर मंगलवार शाम को प्रधान प्रतिनिधि धरणीधर त्रिपाठी और क्षेत्राधिकारी उदय प्रताप सिंह थानाध्यक्ष सदानंद सिन्हा ने भ्रमण किया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी व थानाध्यक्ष ने घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता इंतजाम रखने की बात कही। पोखरे की की गहराई को देखते हुए। अहतियातन बैरीकेडिंग कराने के निर्देश दिए। रस्सी बांधने के साथ ही दो नावों पर गोताखोर भी तैनात किए जाएंगे। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि धरणीधर त्रिपाठी ने कहा कि ग्राम सभा का सबसे भीड़ वाला छठ घाट जूनियर हाई स्कूल परिसर का घाट है। इसके पोखरे में पानी भी अधिक है। इसलिए पोखरें के चारों तरफ रस्सी से बैरीकेडिंग कराई जाएगी। महिला और पुरुष कांस्टेबल के अतिरिक्त पीएसी की तैनाती की मांग की गई है। ग्राम सभा के सरयां तिवारी में छठ पर्व पर सुरक्षा व्यवस्था का कड़ा इंतजाम किया जाएगा। इस मौके पर प्रमुख रूप से क्षेत्राधिकार उदय प्रताप सिंह, थानाध्यक्ष सदानंद सिन्हा, उपनिरीक्षक राजेश सिंह, प्रधान प्रतिनिधि धरणीधर त्रिपाठी समेत ग्राम सभा सरयां तिवारी के दर्जनों लोग मौजूद थे।

इंटरमीडिएट कालेज से मंदिर मार्ग पर तेजी से चल रहा निर्माण कार्य, जनता में खुशी का माहौल

उनवल गोरखपुर उनवल ए पी गुप्ता इंटरमीडिएट कॉलेज नीलकंठ शिव मंदिर मार्ग की दयनीय स्थिति लंबे समय से स्थानीय लोगों के लिए एक गंभीर समस्या रही है। लेकिन अब इस समस्या का समाधान होते हुए नजर आ रहा है। इस मार्ग का निर्माण कार्य तेजी से चालू होने के कारण जनता में उत्साह और खुशी का माहौल है। लोगों को वर्षों की असुविधा के बाद आखिरकार राहत मिलने की उम्मीदें पूरी होती दिख रही हैं। सड़क की मरम्मत की मांग स्थानीय निवासियों द्वारा कई सालों से उठाई जा रही थी। इस मार्ग पर सफर करना काफी कठिन था, खासकर बरसात के मौसम में। कई सालों से खराब स्थिति में पड़े इस मार्ग पर अब कार्य शुरू होने से लोगों को काफी राहत महसूस हो रही है। निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए नगर पंचायत अध्यक्ष महेश कुमार दुबे ने विशेष ध्यान दिया है, जिससे लोगों की उम्मीदें बढ़ गई हैं। इस कार्य के लिए लोग उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त कर रहे है। साथ ही लोग की समस्याओं को मुख्यमंत्री जी को लगातार अवगत करने कराने वाले विधायक प्रदीप शुक्ला, नगर अध्यक्ष महेश कुमार दुबे अन्य साथियों जिन लोगों के इस रस्ते को लेकर लगातार आवाज उठाते रहे है उन सब का धन्यवाद कर रहे हैं। इन नेताओं के सहयोग और प्रयासों के चलते ही यह मार्ग निर्माण कार्य संभव हो सका है। नेताओं ने जनता की समस्याओं को प्राथमिकता दी और आवश्यक संसाधन जुटाकर इस परियोजना को शुरू कराया, जिससे स्थानीय लोगों में खुशी और उत्साह की लहर दौड़ गई है।

नगर पंचायत अध्यक्ष ने छठ घाटों का किया निरीक्षण, सारी तैयारी पूर्ण

उनवल गोरखपुर नगर पंचायत उनवल में छठ महापर्व की तैयारी में जहां नगर प्रशासन ने घाटों की साफ–सफाई तथा रास्तों को युद्ध स्तर पर अंतिम रुप दे दिया गया है वहीं रास्तों एवं घाटों पर नगर पंचायत अध्यक्ष एडवोकेट महेश कुमार दूबे एवं अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत उनवल संजय कुमार सरोज एवं सभासद लाइट की व्यवस्था को भी अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं। इसी क्रम में उनवल बाजार व चौराहे पर छठ महापर्व की खरीददारों की सुनामी भीड़ उमड़ पड़ी है महिलाएं तथा पुरुषों में खरीददारी की होड़ लगी हुई है दुकानदार दुकानों को सजाने संवारने में कोई कोर कसर नहीं छोड़े हैं।

दुकान मे नकब लगाकर लाखों की चोरी एक साल के भीतर दुकान मे दुसरी चोरी होने से अन्य दुकानदारों मे दहशत

कौड़ीराम गोरखपुर बांसगांव थाना अंतर्गत कौड़ीराम चौराहे के बांसगांव रोड पर स्थित पाल स्पोर्ट्स एवं रेडीमेड गारमेंट्स पर 1 साल के भीतर दूसरी चोरी होने से दुकानदारों मे दहशत व्याप्त है। इसके पहले 1 जनवरी 2024 को इसी दुकान मे नकब लगाकर चोरी हुई थी जिसमें लाखों का सामान चोरी हुआ था। प्राप्त जानकारी के अनुसार चोरों ने दिनांक 5ब6 मंगलवार की रात मे दुकान के पीछे से नकब लगाकर लाखों के सामान की चोरी की है।

एसडीम ने छठ घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

एसडीएम, तहसीलदार व सीओ ने छठ घाटों का लिया जायजा

बैरिकेडिंग लगाकर लोगों को रोकने के दिए निर्देश

खजनी गोरखपुर खजनी तहसील के अंतर्गत मानसरोवर तालाब घाट किनारे छठ महापर्व पर उमड़ने वाली भारी भीड़ की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एसडीएम कुंवर सचिन सिंह एवं तहसीलदार कृष्ण गोपाल त्रिपाठी व सीओ उदय प्रताप सिंह, नायब तहसीलदार हरीश यादव ने स्थलीय अकटहवा बाबा स्थान, जमूरा नाला, उनवल नीलकंठ महादेव मंदिर, झारखंडी महादेव मंदिर, सरया तिवारी, तहसील खजनी में छठ के घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान एसडीएम ने कहा कि जिन घाटों पर कमर से अधिक पानी गहरा हो, वहां रस्सी का बैरिकेडिंग लगाकर लोगों को रोका जाए। जबकि सीओ ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पुलिस बल व स्पेशल फोर्स व एनडीआरएफ की एक टुकड़ी को लगाया गया है।

बच्चों का टीकाकरण अवश्य कराएं – डा0 संतोष वर्मा

कौड़ीराम गोरखपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कौड़ीराम के अंतर्गत जानीपुर में बुधवार को टीकाकरण कराने से इंकार करने वाले पांच बच्चों के अभिभावकों को समझा कर उन बच्चों का टीकाकरण कराया गया। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी कौड़ीराम के नेतृत्व में रैपिड रिस्पॉन्स टीम ने जानीपुर जाकर सलामत अली, समसाद, सैफ अली के घर जाकर पांच बच्चों का टीकाकरण कराया। रैपिड रिस्पॉन्स टीम में ए0आर0ओ0 बृजेश कुमार मद्धेशिया, डॉ0 विनय श्रीवास्तव, रवि प्रकाश राय, यूनिसेफ ब्लॉक मॉनिटर विनय कुमार दुबे एवं टीम ने सहयोग के लिए स्थानीय कम्पोजिट विद्यालय के प्रधानाध्यापक महेन्द्र प्रताप सिंह को अपने साथ लिया था जिनका टीकाकरण मे विशेष सहयोग रहा।

ब्लूमिंग फ्लावर एकेडमी में छठ पूजा पर रंगोली प्रतियोगिता आयोजित

छात्र–छात्राओं ने दिखाई अपनी प्रतिभा, विजेताओं को मिले पुरस्कार

गगहा गोरखपुर गगहा विकास खंड में स्थित ब्लूमिंग फ्लावर एकेडमी में छठ पूजा के अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी कला का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में विभिन्न ग्रुप बनाए गए थे, जिनमें से ग्रुप ए में रुपल चौहान, आराध्या सिंह, सुहानी साहनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि चांदनी चौहान और अंजना ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। ग्रुप बी में रागिनी चौहान, नेहा सरकार, अर्पिता गौड़ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि अंशिका यादव, श्रेया चौहान, श्रेया प्रजापति ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के प्रबंधक रविंद्र कुमार प्रजापति और प्रधानाचार्या सरोज प्रजापति ने छात्र–छात्राओं की प्रतिभा की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

लोकायुक्त पुलिस को सच्चाई बता दी, 2 घंटे की पूछताछ के बाद सिद्धारमैया की आई पहली प्रतिक्रिया

एजेंसी।

मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) द्वारा उनकी पत्नी को साइटों के आवंटन में अवैधताओं के मामले में लोकायुक्त ने सिद्धारमैया से बुधवार को लगभग दो घंटे तक पूछताछ की। लोकायुक्त पुलिस ने मुझसे पूछताछ की और मैंने उनके सभी सवालों का जवाब दिया। उन्होंने सब कुछ रिकॉर्ड किया और बाद में उसे मुझे पढ़कर सुनाया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मीडिया से कहा कि उन्होंने भूमि आवंटन मामले में लोकायुक्त पुलिस को सच्चाई बता दी है और कहा है कि उन्हें दोबारा पद से हटने के लिए नहीं कहा गया है। मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) द्वारा उनकी पत्नी को साइटों के आवंटन में अवैधताओं के मामले में लोकायुक्त ने सिद्धारमैया से बुधवार को लगभग दो घंटे तक पूछताछ की। लोकायुक्त पुलिस ने मुझसे पूछताछ की और मैंने उनके सभी सवालों का जवाब दिया। उन्होंने सब कुछ रिकॉर्ड किया और बाद में उसे मुझे पढ़कर सुनाया।सिद्धारमैया ने पूछताछ के बाद संवाददाताओं से कहा कि सब कुछ सुचारू रूप से चला गया। मेरे खिलाफ फर्जी मामला दर्ज किया गया था, लेकिन मैंने उन्हें सच बताया। उन्होंने मुझसे दोबारा पेश होने के लिए नहीं कहा। सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से भूमि आवंटन में अनियमितताओं के संबंध में विस्तृत पूछताछ की गई. तीन अधिकारियों ने पूछताछ का नेतृत्व किया, जो बिना किसी निर्धारित समाप्ति समय के आयोजित की गई। दंड प्रक्रिया संहिता के अनुसार, पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पूरी पूछताछ की वीडियो रिकॉर्डिंग की गई।जांचकर्ताओं ने कई प्रश्न पूछे, जिनका मुख्यमंत्री ने उत्तर दिया, यदि वह विषय के जानकार थे, और उन लोगों को संबोधित करने से बचते रहे जिनसे वह परिचित नहीं थे। कती है

स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक,**सम्पादक कपिल देव शुक्ल** द्वारा विभव प्रिंटर्स गाटा सं025 लोलेपुर सुलतानपुर उ० प्र०. से मुद्रित तथा सलीमपुर ग्रेन्ट, पो० व थाना कुरेभार, जिला–सुलतानपुर (उ०प्र०) से प्रकाशित **सम्पादक– कपिल देव शुक्ल**,
मो० 9415739288,9721748962
E-mail: kdshukla-79@gmail.com समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र सुल्तानपुर न्यायालय होगा।